● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 171, पृष्ठ : 08, सीधी, गुरूवार, 31 जुलाई 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

जनसंख्या में बदलाव को लेकर राज्यपाल ने जताई चिंता 5

पांचवे टेस्ट में बुमराह के खेलने को लेकर संशय 6

मैं वादा करता हूं कि जम्मू-कश्मीर आतंकवाद से मुक्त होगा : शाह

नई दिल्ली

गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की जान लेने वाले तीन आतंकवादी ऑपरेशन महादेव के तहत मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं और इस हमले में उनकी संलिप्तता वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित कर ली गयी है। कल ऑपरेशन महादेव में सुलेमान, अफगान और जिब्रान नाम के तीन आतंकवादी – सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए। उन्होंने बताया, सुलेमान, लश्कर-ए-तैयबा का ए श्रेणी का कमांडर था। पहलगाम और गगनगीर आतंकी हमले में वह लिप्त था, इसके बहुत सारे सबूत हमारी एजेंसियों के पास हैं। अफगान और जिब्रान भी ए श्रेणी के आतंकवादी थे। उन्होंने कहा, आज, इस सदन में खड़े होकर, मैं वादा करता हूं कि जम्मू-कश्मीर आतंकवाद से मुक्त होगा। यही नरेंद्र मोदी सरकार का संकल्प है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, कल आप (कांग्रेस) पूछ रहे थे कि वे (पहलगाम के आतंकवादी) आज ही क्यों मारे गए? उन्हें कल क्यों नहीं मारा जाना चाहिए था? क्योंकि राहुल गांधी को अपना भाषण देना था? ऐसा नहीं चलता। पूरा देश देख रहा है कि कांग्रेस की प्राथमिकता राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद का खात्मा नहीं, बल्कि राजनीति, वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति है।

अमित शाह ने आगे कहा, हमने उनके (पाकिस्तान) आतंकी शिविरों, आतंकी लॉन्चिंग पैड्स और आतंकी प्रशिक्षण शिविरों पर हमला किया, लेकिन उन्होंने (पाकिस्तान ने) इसे अपने देश पर हमला माना। जवाब में, 8 मई को पाकिस्तान ने भारत के आवासीय इलाकों और रक्षा प्रतिष्ठानों पर हमला किया। 9 मई को भारत ने पाकिस्तान के 11 रक्षा प्रतिष्ठानों और एयरबेसों पर हमला कर उन्हें नष्ट कर दिया...इसके बाद, पाकिस्तान जवाबी कार्रवाई करने की स्थिति में नहीं था।

अमित शाह ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि पीओके आपने दिया था लेकिन वापस उसे भाजपा ही लाएगी। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर युद्ध नहीं था, आत्मरक्षा के लिए आतंकवाद पर हमले का अधिकार है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, कांग्रेस को भाजपा से आतंकवाद के बारे में सवाल पूछने का कोई अधिकार नहीं है। देश में आतंकवाद फैलने का एकमात्र कारण कांग्रेस का वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा है कि सरकार धर्म के आधार पर कार्यों का नामकरण करने के अलावा कुछ नहीं जानती। लेकिन कांग्रेस यह नहीं समझती कि हर हर महादेव केवल एक धार्मिक नारा नहीं है...वे हर चीज को हिंदू-मुस्लिम के नजरिए से देखते हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस सांसद पी. चिदंबरम के बयान पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि वह कह रहे थे कि आतंकियों के क्या सबूत हैं कि वे पाकिस्तान से आए थे। उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि जब तक पी. चिदंबरम गृह मंत्री थे तब तक अफजल गुरु को फांसी नहीं हुई।

अमित शाह ने राज्यसभा में कहा कि कांग्रेस पार्टी की मानसिकता को देश की जनता देख रही है। इनकी प्राथमिकता देश की सुरक्षा नहीं है, राजनीति है। इनकी प्राथमिकता आतंकवाद को समाप्त करना नहीं है, अपनी वोटबैंक है। इनकी प्राथमिकता हमारी सीमा की सुरक्षा करना नहीं है, तुष्टिकरण की राजनीति है।

दफ्तरी प्रक्रिया में लंबित न रहें नागरिकों की समस्याएं : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों की ऐसी समस्याएं जो बहुत समय से किसी प्रशासनिक प्रकिया के कारण लंबित हैं और उससे हितग्राही अपने अधिकार को प्राप्त करने से वंचित हो रहा है तो प्रशासन से जुड़े प्रत्येक अधिकारी का यह दायित्व है कि उस लंबित कार्य का बिना देर किए समाधान निकालें। सीएम हेल्पलाइन लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए संचालित व्यवस्था है। इस हेल्पलाइन और समाधान ऑनलाइन जैसे कार्यक्रमों तक प्रकरण आने की जरूरत ही नहीं होना चाहिए। जिस स्तर पर समाधान संभव है उस समस्या को उसी स्तर पर हल करने पर पूरा प्रयास किया जाए। यह अधिकारियों का दायित्व भी है और जिम्मेदार प्रशासन का प्रत्यक्ष प्रमाण भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व

भवन में समाधान ऑनलाइन के माध्यम से विभिन्न जिलों के नागरिकों की लंबित समस्याओं का समाधान कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधान ऑनलाइन में आए विभिन्न प्रकरणों में लापरवाही के दोषी एक प्रभारी प्राचार्य के निलंबन, 4 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस देने और बीमा कम्पनी पर अर्थदण्ड लगाने के निर्देश दिये। दुग्ध विक्रय पर प्रोत्साहन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिवनी जिले के पशुपालक श्री कुंदन गिरी गोस्वामी को दुग्ध विक्रय पर प्राप्त होने वाली राशि का भुगतान न होने के प्रकरण में समाधान ऑनलाइन के माध्यम से भुगतान करवाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के माध्यम से प्रदेश में दुग्ध विक्रेताओं को लाभान्वित करने के बारे में जिला स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। जबलपुर दुग्ध संघ को 6 करोड़ रुपए की राशि और ग्वालियर दुग्ध संघ को 2 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की गई है। प्रदेश में दुग्ध के विक्रय पर 2 से लेकर 6 रुपए तक बोनस देने और नई सहकारी समितियों के गठन की पहल हुई है।

ट्रंप के संघर्ष विराम के दावों पर जयशंकर ने दिया जवाब

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर पर भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बुधवार को राज्यसभा में सरकार का पक्ष रखा। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विपक्ष के सवालों के जवाब दिए। अपने वक्तव्य में विदेश मंत्री ने साफ कहा कि संघर्ष विराम को लेकर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच 22 अप्रैल से लेकर 16 जून 2025 के दौरान कोई बातचीत नहीं हुई।

राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने अमेरिकी राष्ट्रपति के संघर्ष विराम के दावों पर सरकार से स्पष्टीकरण मांगा और हंगामा किया। इस पर जयशंकर ने विपक्षी सांसदों से कहा कि %मैं उनको कहना चाहता हूं, वे कान खोलकर सुन लें। 22 अप्रैल

से 16 जून तक राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच एक बार भी फोन पर बात नहीं हुई। जयशंकर ने कहा कि हमारी राष्ट्रीय नीति है कि कोई भी बातचीत द्विपक्षीय होनी चाहिए। पाकिस्तान के डीजीएमओ की तरफ से संघर्ष विराम का अनुरोध किया गया था।

जयशंकर ने कहा कि जब ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ तो कई देश यह जानना चाहते थे कि स्थिति कितनी गंभीर है और ये हालात कब तक चलेंगे, लेकिन हमने सभी को एक ही संदेश दिया कि हम किसी भी मध्यस्थता के लिए तैयार नहीं हैं। हमारे और पाकिस्तान के बीच कोई भी समझौता द्विपक्षीय तौर पर ही होगा। हम पाकिस्तानी हमले का जवाब दे रहे हैं, और देते रहेंगे। अगर यह लड़ाई रुकनी है, तो पाकिस्तान को इसका अनुरोध करना होगा और यह अनुरोध केवल डीजीएमओ के माध्यम से ही आ सकता है। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया और सिंधु जल समझौता, मुंबई आतंकी हमला और चीन-पाकिस्तान गठजोड़ पर विपक्षी पार्टी की तीखी आलोचना की। सिंधु जल समझौता स्थगित करने के सरकार के फैसले पर बोलते हुए विदेश मंत्री ने काह कि सिंधु जल संधि कई मायनों में एक अनोखा समझौता है।

राज्यसभा में पीएम की गैरहाजिरी पर भड़के खरगे

नई दिल्ली। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गैरहाजिरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि विपक्ष की मांग थी कि प्रधानमंत्री खुद संसद में आकर किसी अहम मुद्दे पर जवाब दें। लेकिन जब प्रधानमंत्री संसद परिसर में मौजूद हैं, फिर भी अगर वह सदन में नहीं आते, तो यह संसद का अपमान है। खरगे ने कहा कि हमने बार-बार मांग की कि प्रधानमंत्री खुद आकर जवाब दें। लेकिन वह आए नहीं। अगर प्रधानमंत्री संसद में रहकर भी सदन में नहीं आते, तो यह सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाना है। इससे पहले, गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में जानकारी दी थी कि प्रधानमंत्री अपने कार्यालय में मौजूद हैं।

करीब 489 सड़क परियोजनाएं अब भी लंबित : गडकरी

बोले-मंजूरी संबंधी मुद्दों की वजह हो रही देरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को राज्यसभा को बताया कि मार्च 2025 तक पूरी की जाने वाली लगभग 489 सड़क परियोजनाएं अब तक लंबित हैं। इन परियोजनाओं में देरी का कारण जमीन अधिग्रहण, वन और वन्यजीव मंजूरी तथा रेलवे से संबंधित मंजूरियों में विलंब है।

गडकरी ने एक लिखित जवाब में कहा कि सरकार इन लंबित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए राज्य सरकारों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ मिलकर सभी प्रयास कर रही है, ताकि समस्याओं का समाधान किया जा सके। केंद्रीय

मंत्री ने बताया कि कुछ देरी से चल रही परियोजनाओं की लागत में वृद्धि हुई है। इसकी वजहों में जमीन और संरचनाओं के लिए मुआवजे की बढ़ी हुई लागत, मूल्य वृद्धि, जीएसटी का असर, जनता की मांग पर अतिरिक्त वर्टिकल/पैदल अंडरपास, रेलवे मानकों को पूरा करने के लिए रोड ओवर ब्रिज या रोड अंडर ब्रिज के डिजाइन में बदलाव आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी परियोजना में अत्यधिक देरी होती है और मौजूदा अनुबंध के तहत आगे काम संभव नहीं होता, तो ऐसे अनुबंधों को खत्म कर दिया जाता है और परियोजना को फिर से सौंपा जाता है, चाहे उसमें बदलाव हो या न हो। एक अलग सवाल के जवाब में गडकरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण भारतीय सड़क कांग्रेस के मानकों के अनुसार किया जाता है। उन्होंने बताया कि विभिन्न इलाकों में राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए अधिकतम गति 120 किलोमीटर प्रति घंटा (एक्सप्रेसवे के लिए) और 100 किलोमीटर प्रति घंटा (अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए) तय की गई है।

नड्डा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली। राज्यसभा में 'ऑपरेशन सिन्दूर' पर विशेष चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने न तो सीमा विकास पर ध्यान दिया और न ही आतंकवाद के खिलाफ कोई सख्त रुख अपनाया। नड्डा ने कहा, एक पूर्व रक्षामंत्री ने कहा था कि सबसे अच्छी रक्षा यह है कि सीमाओं का विकास ही न किया जाए। उनके अनुसार, अविकसित सीमा विकसित सीमा से ज्यादा सुरक्षित होती है। यही मानसिकता थी, जिसके तहत उस समय काम हो रहा था।

राजधानी को मिली रफ्तार

विकसित दिल्ली के लिए केंद्र ने दिए 821.26 करोड़, सीएम रेखा ने पीएम का जताया आभार

नई दिल्ली। दिल्ली के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने विशेष सहायता राशि को मंजूरी दी है। यह फैसला विकसित भारत के संकल्प को विकसित दिल्ली में बदलने की दिशा में लिया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट साझा कर लिखा कि दिल्ली के विकास के लिए केंद्र सरकार ने 821.26 करोड़ रुपये की विशेष सहायता राशि को मंजूरी दी है। मैं प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का हार्दिक आभार व्यक्त करती हूं। आगे लिखा कि इस राशि से स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, जल, आवास, ऊर्जा और एमआरटीएस चरण-आईवी से संबंधित 33 परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी। यह निर्णय विकसित भारत के संकल्प को विकसित दिल्ली में बदलने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है।

हाईवे पर अचानक ब्रेक लगाना लापरवाही माना जाएगा

सड़क हादसों पर सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि हाईवे पर बिना कोई चेतावनी दिए अचानक ब्रेक लगाना लापरवाही मानी जाएगी। कोर्ट ने कहा कि इस तरह की हरकत से अगर हादसा होता है, तो कार चालक जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ ने मंगलवार को यह टिप्पणी की। जस्टिस धूलिया ने कहा, हाईवे पर तेज रफ्तार में गाड़ियां चलती हैं और अगर कोई चालक अपनी गाड़ी रोकना चाहता है, तो उसे पीछे आ रही गाड़ियों को संकेत देना जरूरी

होता है।

यह मामला तमिलनाडु के कोयंबटूर में 7 जनवरी 2017 को हुई एक दुर्घटना से जुड़ा है। इंजीनियरिंग छात्र एस मोहम्मद हकीम अपनी बाइक से जा रहे थे, तभी एक कार चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया। इस दौरान हकीम की बाइक कार से टकरा गई और वो सड़क पर गिर पड़ा। इसी दौरान उसी वक्त पीछे से आ रही एक बस ने उन्हें कुचल दिया, जिसके बाद इलाज के दौरान उनका बायां पैर काटना पड़ा। मामले की सुनवाई के दौरान कार चालक ने कोर्ट में कहा कि उसने इसलिए ब्रेक लगाए क्योंकि उसकी गर्भवती पत्नी को उल्टी जैसा महसूस हो रहा था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को नामंजूर कर दिया। इस दौरान कोर्ट ने कहा, कार चालक की तरफ से दी गई सफाई किसी भी नजरिए से उचित नहीं है। अगर कोई आपात स्थिति थी भी, तब भी बीच हाईवे पर अचानक ब्रेक लगाना खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना है।

सुप्रीम कोर्ट ने दुर्घटना के लिए तीनों पक्षों को जिम्मेदार माना और कहा कार चालक की 50त्न जिम्मेदारी है और बस चालक की 30त्न जिम्मेदारी है। इसके साथ ही बाइक सवार हकीम की 20त्न योगदानात्मक लापरवाही है। कोर्ट ने माना कि हकीम के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था और उन्होंने कार से पर्याप्त दूरी नहीं बनाई थी, जो कि उनकी लापरवाही थी।

राष्ट्रीय सुरक्षा सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि सरकार की नैतिक जिम्मेदारी भी है: झा

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को पहलगाम आतंकी हमला और इसके जवाब में भारत की तरफ से चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जबरदस्त बहस हुई। इस दौरान कई नेताओं ने इस मुद्दे पर अपने विचार रखे। इसी दौरान राजद के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा ने भी पहलगाम आतंकी हमले में सुरक्षाचूक का हवाला देते हुए केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को हुए इस आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान गई और यह सिर्फ एक राज्य या परिवार का दर्द नहीं, बल्कि पूरे देश का साझा दुख है। झा ने कहा कि ये उन 26 परिवारों का दुख सिर्फ उनका नहीं, हम सबका है। राष्ट्रीय सुरक्षा सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि सरकार की नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने यह भी कहा कि दुख की घड़ी में देश एकजुट हो जाता है, लेकिन इस एकता का इस्तेमाल सरकार की आलोचना से बचने के लिए नहीं होना चाहिए। मनोज झा ने अपने भाषण में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का भी जिक्र किया और कहा कि अगर नेहरू आज भी आपको परेशान कर रहे हैं, तो जरूर उस व्यक्ति में कुछ खास बात रही होगी।

ट्रंप ने कहा- भारत हमारा दोस्त, लेकिन 1 अगस्त से 25 फीसदी टैरिफ लगेगा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 1 अगस्त से भारत पर 25% टैरिफ लगाने की घोषणा की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, याद रखें, भारत हमारा मित्र है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हमने उसके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है क्योंकि उसके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं, दुनिया में सबसे ज्यादा हैं, और किसी भी देश की तुलना में उसके यहां सबसे कठोर और अप्रिय गैर-मौद्रिक व्यापार प्रतिबंध हैं। ट्रंप ने पोस्ट में आगे लिखा- इसके अलावा, उन्होंने हमेशा अपने अधिकांश सैन्य उपकरण रूस से खरीदे हैं, और चीन के साथ, वे रूस के सबसे बड़े ऊर्जा खरीदार हैं, ऐसे समय में जब हर कोई चाहता है कि रूस यूक्रेन में हत्याएं रोके - सब कुछ ठीक नहीं है! इसलिए भारत को 1 अगस्त से 25% टैरिफ और उपरोक्त के लिए जुर्माना देना होगा।

सोनप्रयाग-गौरीकुंड पैदल मार्ग पर हुआ भारी भूस्खलन

रुद्रप्रयाग। सोनप्रयाग-गौरीकुंड पैदल मार्ग पर भारी भूस्खलन हुआ है, जिसके चलते केदारनाथ यात्रा पर ब्रेक लग गया है। मुनकटिया से करीब डेढ़ किमी आगे पहाड़ी का बड़ा हिस्सा ढहने से रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया है। यहां दोनों तरफ से आवाजाही ठप हो गई है।

मौसम के ठीक होने पर बुधवार सुबह तक सड़क बहाल होने की उम्मीद थी, लेकिन भारी भूस्खलन के चलते सोनप्रयाग-गौरीकुंड पैदल मार्ग बंद हो गया। हाईवे बंद होने पर पुलिस ने गौरीकुंड और सोनप्रयाग से दोतरफा आवाजाही को रोक दिया है। मंगलवार को शाम साढ़े छह बजे बारिश के बीच मुनकटिया से करीब डेढ़ किमी आगे ऊपरी तरफ चट्टान का बड़ा हिस्सा भरभराकर सड़क आ गिरा। उस दौरान हाईवे से वाहन नहीं गुजर रहे थे, अन्यथा नुकसान हो सकता था।

सोनप्रयाग कोतवाली प्रभारी राकेंद्र सिंह कठैत ने बताया कि बड़े-बड़े बोल्डर के साथ ही मलबा भी गिरा है, जिससे आवाजाही पूरी तरह से ठप हो गई है। इससे गौरीकुंड और सोनप्रयाग में यात्रियों को रोक दिया गया है। एनएच के अधिशासी अभियंता ओंकार नाथ पांडे ने बताया कि दो मशीनों की मदद से मलबा साफ करने का काम शुरू कर दिया गया है।

इसरो और नासा की ऐतिहासिक साझा उड़ान

धरती के कोने-कोने से डाटा जुटाएंगे वैज्ञानिक

श्रीहरिकोटा। भारत और अमेरिका की पहली अंतरिक्ष साझेदारी की शुरुआत बुधवार को हुई, जब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 'निसार'नाम का उपग्रह सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में भेजा। इस उपग्रह को इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मिलकर बनाया है। इसे इसरो के जीएसएलवी एफ-16 रॉकेट के जरिए शाम 5:40 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया।

लॉन्च के करीब 19 मिनट बाद रॉकेट ने 'निसार' को सूरज के साथ घूमने वाली खास कक्षा (सूर्य समकालिक ध्रुवीय कक्षा) में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। 'निसार' एक अवलोकन उपग्रह है,

जो धरती पर होने वाले भूकंप, भूस्खलन, बर्फबारी और जंगलों में बदलाव जैसी चीजों की निगरानी करेगा। इस मिशन को भारत और अमेरिका के बीच तकनीकी सहयोग की एक मिसाल माना जा रहा है।

इससे पहले 18 मई को इसरो का पीएसएलवी-सी61 मिशन असफल रहा था, जिसमें पृथ्वी पर नजर रखने वाला एक उपग्रह तय कक्षा तक नहीं पहुंच पाया था। हालांकि, इसरो इससे पहले रिसोर्ससैट और रीसैट जैसे कई उपग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च कर चुका है, जो खासतौर पर भारत की जरूरतों के लिए बनाए गए थे। लेकिन 'निसार' मिशन के जरिए इसरो ने अब पूरी धरती पर नजर रखने और वैज्ञानिक जानकारी जुटाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। करीब 27 घंटे के काउंटडाउन के बाद 51.7 मीटर ऊंचा जीएसएलवी एफ-16 रॉकेट बुधवार शाम 5:40 बजे सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया। इस रॉकेट में 2,393 किलो वजन वाला 'निसार' उपग्रह मौजूद था। रॉकेट से उपग्रह के अलग होने के बाद वैज्ञानिकों ने इसे पूरी तरह सक्रिय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो अगले कुछ दिनों तक चलेगी। इस प्रक्रिया के बाद उपग्रह अपने मिशन के उद्देश्य पूरे करने के लिए तैयार हो जाएगा।

इसरो ने जानकारी दी कि निसार मिशन के लिए एस-बैंड रडार सिस्टम, डेटा हैंडलिंग सिस्टम, हाई-स्पीड डाउनलिंक सिस्टम, सैटेलाइट और लॉन्च सिस्टम को भारत ने विकसित किया है। वहीं अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने एल-बैंड रडार सिस्टम, हाई-स्पीड डेटा रिकॉर्डर, जीपीएस रिसीवर, 9 मीटर लंबा बूम और 12 मीटर का रडार रिफ्लेक्टर इस मिशन के लिए मुहैया कराया है। इसरो इस उपग्रह के संचालन और निर्देशन की जिम्मेदारी निभाएगा, जबकि नासा कक्षा में उपग्रह को चलाने और रडार संचालन की योजना बताएगा। दोनों एजेंसियां ग्राउंड स्टेशन के जरिए प्राप्त डाटा को डाउनलोड करेंगी और उसे प्रोसेस कर उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाएंगी।

राजस्व महाअभियान के निपटारे की खुली पोल, वृद्ध की हत्या

आठ वर्ष से पिड़रिया में चल रहा था जमीन का विवाद, राजस्व व पुलिस की नाकामी, कई संदेही हिरासत में

सिंगरौली। म.प्र. सरकार राजस्व महाअभियान की पोल खुल गई है। जहां सिंगरौली के चितरंगी थाना क्षेत्र के पिड़रिया गांव में बीते मंगलवार की रात राजस्व विवाद में एक वृद्ध की हत्या हो गई। दो पक्षों में करीब 8 वर्ष से जमीनी विवाद चल रहा था। कई बार पुलिस व राजस्व से मामले के निराकरण के लिए आवेदन और निवेदन किये गये। लेकिन जिम्मेदारों ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नही किया। नतीजा एक वृद्ध की राजस्व विवाद में मौत हो गई। फिलहाल पुलिस कई संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछतांछ कर रही है।

इधर बता दें कि म.प्र. सरकार राजस्व महाअभियान 2.0 की शुरूआत हुई है। इस महाअभियान में पुलिस व राजस्व एक साथ मिलकर विवादित प्रकरणों का निपटारा कर सुलह-समझौता कराने के निर्देश दिये गये थे। ताकि जमीनी विवाद में किसी की हत्या या मारपीट की नौवत ना आये। इसके लिए राजस्व संबंधी विवादों की स्थिति का प्रतिदिन मॉनिटरिंग भी जिम्मेदारों को करनी थी,

लेकिन किसी अधिकारी ने इस मामले को लेकर संजीदगी नही दिखाई। यही वजह रही कि चितरंगी थाने के पिड़रिया गांव निवासी 65 वर्षीय बुजुर्ग भागीरथी सिंह पिता भेरु सिंह गोड़ की उसके ही पड़ोसियों ने पत्थर से पीट-पीट कर खेत में हत्या कर दी और आरोपी फरार हो गए। इधर जब इसकी जानकारी चितरंगी पुलिस को लगी तो मौके पर पहुंची पुलिस ने कई संदेही आरोपियों को पकड़ने के लिए गांव-गांव में दबिश दी। जहां इस मामले को कई संदेहियों को पुलिस ने पकड़ा और उनसे पूछतांछ कर रही है। इधर चितरंगी थाना प्रभारी सुधेश तिवारी ने बताया कि घटना मंगलवार की देर शाम तकरीबन 7 से 8 बजे की बीच की है। जब बुजुर्ग भागीरथी सिंह अपने घर में था, उसी समय उसके पड़ोसी गुट बनाकर के घर पर आए और बुजुर्गों को उठाकर पास ही एक खेत में ले गए और वहां विवाद करते हुए बुजुर्ग के सिर पर पत्थर पटक दिया, जिससे बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और बुजुर्ग के शव को अंतिम परीक्षण के लिए चितरंगी के स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया।

कई संदेहियों को पुलिस ने लिया है हिरासत में

बताया जाता है कि भागीरथी सिंह पिता भेरु सिंह गोड़ का जमीनी विवाद तकरीबन 8 से 10 वर्ष से चल रहा था। कई वर्षो से जमीन विवाद को लेकर खूनी संघर्ष की रणनीति बन रही थी। समय रहते पुलिस व राजस्व के अधिकारी निपटारा किये होते तो आज वृद्ध की हत्या न हुई होती। इधर चितरंगी थाना प्रभारी ने बताया कि जमीन विवाद के साथ-साथ जादू-टोने का एंगल भी मिल रहा है। कई संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछतांछ की जा रही है। आरोपियों को गिरफ्तार कर लेंगे। इधर बता दें कि हो सकता है कि कल दिन गुरूवार को पुलिस आरोपियों के गिरफ्तारी का खुलासा भी कर सकती है। लेकिन यह पूरा मामला जमीनी विवाद से जुड़ा है। अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए भले ही एंगल चेंज हो, लेकिन हकीकत तो जमीनी विवाद है। जमीनी विवाद के चलते ही वृद्ध की हत्या हुई है।

राजस्व और पुलिस ने निभाई होती जिम्मेदारी तो न होती हत्या

आये दिन राजस्व विवाद में लड़ाई-झगड़ों के साथ हत्या की खबरें देखने और सुनने को मिलती है। जिसे लेकर सरकार में राजस्व अमले सहित जिले के जिम्मेदार अधिकारियों को पुलिस के साथ सामंजस्य बैठा कर विवादों के निराकरण करने के निर्देश दिये गये थे। साथ ही इन विवादों के मॉनिटरिंग करते हुये प्रतिदिन प्रगति भी बतानी थी, लेकिन जिले में बैठे जिम्मेदार राजस्व और प्रशासनिक महकमा अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कितनी ईमानदारी से कर रहे हैं, इसका अंदाजा पिड़रिया में बुजुर्ग की हत्या से लगाया जा सकता है। यह कोई पहला मामला नही है, इसके पहले भी जमीनी विवाद में कई हत्याएं हो चुकी है और लगातार हो रही हैं। बावजूद इसके जिम्मेदार अधिकारी विवादित मामलों में निराकरण करने के बजाय दोनों पक्षों को उलझा कर अवैध वसूली करने के अवसर बनाते हैं और अपना उल्लू सीधा करते हैं।

कमिश्नर ने सिविल सर्जन के खिलाफ विभागीय जांच के दिये निर्देश

15 दिवस के अंदर लिखित उत्तर प्रस्तुत करने के दिये थे आदेश, बिना सूचना के मुख्यालय से बाहर थे अधीक्षक

सिंगरौली। रीवा कमिश्नर बस जामोद ने आदेश निर्गत कर बिना सूचना के गायब सिविल सर्जन को कई मामलों को लेकर कारण बताओं नोटिस जारी किया है।

विगत 9 मार्च को रीवा कमिश्नर बीएस जामोद का सिंगरौली दौरा हुआ था। जहां कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारी-कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर के अधीक्षक डॉ. देवेन्द्र सिंह अनुपस्थित थे। बताया जाता है कि उस समय होली का त्यौहार नजदीक था। इसके अलावा विधानसभा सत्र चल रही थी। इसके बावजूद सिविल सर्जन अपने जिम्मेदारियों को भूल कर बिना किसी जिम्मेदार अधिकारी को सूचना दिये जिला मुख्यालय से नदारत थे। कहीं न कहीं अपनी

जिम्मेदारियों का निर्वहन बखूबी नही किया। इसके अलावा लालमति केवट पिता लोले केवट के उम्र निर्धारण का प्रकरण सिविल सर्जन सिंगरौली के द्वारा 3 फरवरी 2025 को क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं रीवा संभाग और संभागीय मेडिल बोर्ड से उम्र निर्धारण का प्रकरण प्रस्तुत किया गया। जबकि किसी भी व्यक्ति का उम्र निर्धारण जिला चिकित्सालय में डेंटल सर्जन, ऑथोपेडिक सर्जन चिकित्सक के द्वारा किया जाता है। लेकिन इसका उत्तर अधीक्षक के द्वारा नही दिया। यह कृत्य शासकीय सेवक को निर्धारित कर्तव्यों एवं सेवा नियमों के विपरित होने के कारण कदाचरण के श्रेणी में आता है। जिसके लिये दोषी हैं। ऐसे में म.प्र. सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के नियम 14 के अन्तर्गत विरूद्ध विभागीय जांच किया जाना प्रस्तावित है। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं रीवा संभाग रीवा के प्रस्ताव 10 मार्च के आधार पर अधीक्षक के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और सही समाधान नही मिलने पर नियमित विभागीय जाँच संस्थित करने का निर्णय लिया गया।

स्कूल जाने के लिए घर से निकला 9वीं का छात्र लापता, तलाश में जुटी पुलिस

सिंगरौली। घर से स्कूल जाने के लिए निकला नौंवी कक्षा का छात्र अचानक लापता हो गया। दिनभर उसकी तलाश करने के बाद निराश परिजनों ने कोतवाली थाने में छात्र के गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करायी है। पुलिस लापता छात्र की तलाश में जुटी है। कोतवाली क्षेत्र के बरदघटा चौकी के गोभा निवासी अभय कुमार जायसवाल पिता सियाराम जायसवाल उम्र 47 वर्ष ने शिकायत की है कि 15 वर्षीय पुत्र कक्षा 9वी में सरस्वती हायर सेकण्ड्री बिलौंजी में बढ़ता है। बीते सोमवार को वह घर से विद्यालय के लिए निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। जब

विद्यालय में पता किया गया तो स्कूल वालों ने बताया कि वह उस दिन विद्यालय नहीं आया था। परिजनों ने बताया कि लड़का प्रिन्स कुमार जायसवाल पिता अरुण कुमार बीमार होने के कारण चार-पॉच दिन स्कूल नहीं गया था। लेकिन 28 जुलाई को करीब 8ः30 बजे घर से स्कूल जाने के लिये निकला जो शाम 5ः30 बजे तक लड़का घर वापस नहीं आया। जहां स्कूल में फोन से पता किया तो पता चला कि स्कूल नहीं गया था। जिसके बाद आस पड़ोस में पता किया तो ग्राम जलहथनी के सतेन्द्र बैस मिला। तो उसने बताया कि प्रिंस को मैं अपनी मोटर साइकल से स्कूल के गेट तक छोड़ा हूँ। नात रिस्तेदारी में पता तलास करने पर जब कही पता नहीं चला तो परिजनों ने तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है। छात्र की तलाश की जा रही है। वहीं परिजनों ने शंका जताई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेरे लड़के को बहला फुसला कर कही ले गया है।

डिग्घी के राशन दुकान में ताला तोड़कर चावल की चोरी

सिंगरौली। कोतवाली क्षेत्र बैढ़न के शासकीय उचित मूल्य दुकान डिग्घी में बीती रात अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर कई बोरी चावल पार कर गए। घटना की जानकारी आज सुबह उस वक्त हुई जब सेल्समैन राशन वितरण करने दुकान पहुंचा तो वहां का ताला टूटा हुआ था।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र बैढ़न के ग्राम डिग्घी स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान में बीती रात अज्ञात चोर मोटरसाइकिल से पहुंचे और राशन दुकान का ताला तोड़कर कई बोरी चावल उठा ले गए । शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेता आज दिन बुधवार की सुबह खाद्यान्न वितरण करने ग्रामीणों के साथ पहुंचा तो दुकान का ताला टूटा एवं रास्ते में चावल के दाने गिरे पड़े देख हैरान रह गया । हालांकि अभी तक जानकारी नहीं मिल पाया कि कितने बोरी चावल गायब हुआ है। विक्रेता हिसाब किताब लगाने में लगा हुआ है।

आरटीओ ने पांच वाहनों से वसूला 75 हजार जुर्माना, 14 वाहन जप्त

सिंगरौली। परिवहन विभाग ने विंध्यनगर और नवानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सघन बहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान अभियान में तीन दर्जन से अधिक वाहनों की जांच की गई। वहीं विभिन्न 5 वाहन मालिकों से करीब 75 हजार जुर्माना वसूला गया। साथी 14 वाहनों को जब तक कर सुरक्षार्थ थाना में खड़ा कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार परिवहन अधिकारी विक्रम सिंह राठौड़ के नेतृत्व में विंध्यनगर और नवानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत संघन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग

के दौरान अमलोरी की स्कूल बस बिना परमिट के मिली। वन अन्य पांच वाहनों में भी जरूरी दस्तावेज नहीं मिलने के कारण वाहनों में चालानी कार्यवाही करते हुए 75 हजार जुर्माना वसूला गया, वहीं वाहनों जप्त कर थाना पुलिस को सुपुर्द किया गया। परिवहन विभाग ने इस दौरान कारी 14 अन्य वाहन भी जप्त किए हैं। कई बस चालकों को हिदायत दिए कि किसी परिस्थिति में बिना कागजात के वाहन ना चलाएं। परिवहन अधिकारी ने कहा कि अभियान आगे भी जारी रहेगा। इसलिए वाहनों का वैध कागजात साथ लेकर चलें। जो भी मोटर वाहन अधिनियम का उल्लघंन करते हुए पाया गयाए तो उसका चलान किया जाएगा। ओवर लोड एवं ओवर हाइट के कारण आए दिन दुर्घटना होते रहती है। जिसपर से रोक लगाई जाएगी। वहीं निर्धारित भार लेकर चलने की हिदायत चालकों को दी गई।

मनोरमा शाहवाल बनाई गई विधानसभा में प्रतिनिधि

म.प्र. तेलघानी बोर्ड ने की विधानसभा प्रतिनिधियों की नियुक्ति

सिंगरौली। म.प्र. शासन के अंतर्गत संचालित तेलघानी बोर्ड के कार्यों के विस्तार एवं प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से प्रदेशभर की सभी विधानसभा क्षेत्रों में विधानसभा प्रतिनिधियों की नियुक्ति की जा रही है। इसी क्रम में सिंगरौली जिले की सक्रिय समाजसेवी एवं कर्मठ व्यक्तित्व की धनी मनोरमा शाहवाल को विधानसभा प्रतिनिधि के रूप में

मनोनीत किया गया है।

तेलघानी बोर्ड द्वारा की जा रही यह नियुक्ति समाज के विभिन्न वर्गों तक बोर्ड की योजनाओं, कार्यक्रमों और लाभों को पहुंचाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। विधानसभा प्रतिनिधि के रूप में मनोरमा शाहवाल की भूमिका न केवल योजनाओं के प्रचार-प्रसार में होगी, बल्कि जमीनी स्तर पर इनके क्रियान्वयन में भी उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा। श्रीमती शाहवाल सामाजिक सेवा, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करवा चुकी हैं। उनके मनोनयन से क्षेत्रवासियों एवं समाज के बीच हर्ष की लहर है। इस अवसर पर समाज के प्रबुद्धजनों ने उन्हें शुभकामनाएं दी और विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव और समर्पण से न केवल सिंगरौली विधानसभा क्षेत्र, बल्कि समूचे तेलघानी समाज को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी।

रेडक्रॉस ने सिखाया सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण

अदाणी प्रोजेक्ट बंधौरा में तीन दिवसीय चला प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण

सिंगरौली। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली द्वारा संचालित सेंट जॉन एम्बुलेंस इंडिया के अंतर्गत तीन दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन अदाणी प्रोजेक्ट बंधौरा में किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन एसडी सिंह के दिशा-निर्देशन एवं मार्गदर्शन में 28 से आज दिन बुधवार 30 जुलाई तक

संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण का नेतृत्व फर्स्ट एड ट्रेनिंग ऑफिसर डॉ. सुशील सिंह चंदेल द्वारा किया गया, जिसमें अदाणी परियोजना के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को साइट ऑफिस बिल्डिंग में प्राथमिक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं पर सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण की शुरुआत रेडक्रॉस सोसायटी की उत्पत्ति, इतिहास एवं उसकी कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी से की गई। साथ ही रेडक्रॉस द्वारा संचालित विभिन्न विंग्स एवं सेवाओं की भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित प्रतिभागियों को प्राथमिक चिकित्सा के उद्देश्यों, उसकी आवश्यकता एवं उसकी उपयोगिता के बारे में समझाया गया।

साजापानी उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन ने जून का नही दिया खाद्यान्न

सिंगरौली । ग्राम पंचायत क्षेत्र साजापानी शासकीय उचित मूल्य दुकान आज दिन बुधवार 30 जुलाई को ग्रामीणजन इकट्ठा हुए और शासकीय उचित मूल्य दुकान में हुए कोटेदार कमल नारायण सिंह एवं राधेश्याम विश्वकर्मा जुलाई और अगस्त माह का खाद्यान्न वितरित नहीं किया है। जबकि कुछ लोगों का रसीद निकाल दिया गया है। जून का भी खाद्यान्न बाकी है, राशिद लेकर बैठे हैं। पिछला अक्टूबर माह 2024 का करीब-करीब 700 कूपन धारियों का अनाज वितरित नहीं किया गया है जो कि आज तक प्रशासनिक अधिकारी द्वारा जांच नहीं किया गया ना तो अनाज वितरित करवाया गया। शासन और प्रशासन से निवेदन है कि ऐसे भ्रष्ट कोटेदार को तुरंत यहां से बर्खास्त किया जाए और उसके जगह पर नया कोटेदार नियुक्त किया जाए और जांच कर उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई किया जाए और गरीबों का अनाज वितरित करवाया जाए अन्यथा ग्रामीण गरीब लोग कुछ करने के लिए मजबूर हो जाएंगे। यह अपना हक मांग रहे हैं कोई भीख नहीं है।

अधिकारी सौपे गये दायित्वों को समय सीमा में पूर्ण कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करेः शुक्ला

स्वतंत्रता दिवस समारोह के तैयारियों को लेकर कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

सिंगरौली। राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त के जिला स्तरीय समारोह का आयोजन राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम बैढ़न में किया जायेगा। समारोह के तैयारियों को लेकर कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के अध्यक्षता एवं एसपी के उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कलेक्टर ने कहा कि राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस को पूरे गरिमा के साथ मनाया जायेगा। जिसके लिए अभी से तैयारियां किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम बैढ़न की साफ -सफाई अंदर एवं

बाहर दोनों ओर नगर पालिक निगम सिंगरौली के आयुक्त द्वारा कराया जाना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही मंच की बैठक व्यवस्था भी आयुक्त के द्वारा ही की जायेगी। उन्होंने निरंतर विद्युत प्रवाह बनाये रखने के लिए अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल को निर्देश दिये और विद्युत की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए जनरेटर व्यवस्था की जिम्मेदारी ननि आयुक्त को सौपी। वही शहर की मुख्य सड़को डिवाईडर के साफ -सफाई व्यवस्था भी ननि आयुक्त को सौपी गई। कार्यक्रम के दौरान आकर्षक परेड के आयोजन के लिए एसपी के मार्गदर्शन में जिला पुलिस बल, एसएएफ, सीआईएसएफ सहित सीनियर परेड एवं जूनियर परेड की रिर्हसल रक्षित निरीक्षक सिंगरौली द्वारा कराया जायेगा। वही प्रभात फेरी, रैली, गत वर्ष की भाति निकाली जायेंगी। जिसमें समस्त शासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्रा विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित करेंगे। साथ ही राष्ट्रीय ध्वज एवं डोरी की व्यवस्था उपसंचलक किसान कल्याण द्वारा कराई जायेगी तथा ध्वाजा बाधने एवं उतारने के कार्यवाही रक्षित निरीक्षक सिंगरौली द्वारा की जायेगी। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी साथ ही प्रवीण्य सूची में स्थान बनाने वाले छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि 15 अगस्त जिला स्तरीय समारोह में सभी अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। उपखण्ड अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने उपखण्डो में पूरी गरिमा के साथ ध्वाजा रोहण कराये। इसके अलावा भी समारोह के संबंधित तैयारियों के लिए अलग-अलग अधिकारियों को दायित्व सौपा गया है। बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ गजेन्द्र सिंह नागेश, अपर कलेक्टर पीके सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर संजीव कुमार पाण्डेय, ननि आयुक्त डीके शर्मा, डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की, सौरभ मिश्रा, नंदन तिवारी, देवेन्द्र द्विवेदी, खनिज अधिकारी आकाक्षा पटेल, डीईओ एसबी सिंह, डीपीसी आरएल शुक्ला मौजूद रहे।

मंदबुद्धि दिव्यांग व्यक्ति को विन्ध्यनगर पुलिस ने किया दस्तयाब

सिंगरौली। विंध्यनगर थाना क्षेत्र के बनौली से बीते 23 जुलाई को रात्रि में एक मंदबुद्धि दिव्यांग युवक बिना बताये घर से लापता हो गया था। जिसे आज दिन मंगलवार को विंध्यनगर पुलिस ने सरई थाना क्षेत्र के कुकरांव से दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया है। विन्ध्यनगर थाना प्रभारी अर्चना द्विवेदी ने जानकारी देते हुये बताया कि बनौली निवासी 27 वर्षीय युवक हरिप्रसाद साहू 23 जुलाई की रात करीब 11 बजे घर से बिना बताये चला गया था। गुमशुदगी दर्ज थी। काफी खोजबीन के बाद पता चला कि दिव्यांग युवक सरई थाना क्षेत्र के कुकरांव में है। जहां टीम को भेज कर दिव्यांग को लाकर परिजनों को सुपुर्द किया गया। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक अर्चना द्विवेदी, प्रआर मुनेन्द्र राणा का सराहनीय योगदान रहा।

नशे से दूरी है जरूरी जन जागृति अभियान कार्यक्रम का पूजा पार्क में हुआ आयोजन

सीधी

पुलिस विभाग द्वारा स्वस्थ एवं नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए 15 से 30 जुलाई 2025 तक नशे से दूरी है जरूरी नशा जन जागृति अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। उक्त अभियान के अंतर्गत दिन प्रतिदिन पुलिस विभाग एवं अन्य विभागों के सहयोग से नशा मुक्ति जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसी क्रम में संचालनालय खेल और युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश भोपाल से प्राप्त निर्देशानुसार खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने तथा नशे से दूर रखने हेतु खेल और युवा कल्याण विभाग सीधी द्वारा 29 जुलाई को पूजा पार्क सीधी में डॉ रविंद्र वर्मा पुलिस अधीक्षक सीधी के निर्देशन एवं अरविंद श्रीवास्तव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सीधी के मार्गदर्शन में नशे से दूरी है जरूरी कार्यक्रम का आयोजन तहसीलदार गोपद बनास एकता शुक्ला के मुख्य आतिथ्य, मानिंद शेर अली खान जिला खेल प्रशिक्षक खेल विभाग सीधी, विद्यालयों के पीटीआई शिक्षक खेल संघ के प्रशिक्षक खेल विभाग नगर पालिका एवं पुलिस विभाग के कर्मचारी खिलाड़ी एवं विद्यालय के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में किया गया।

मुख्य अतिथि तहसीलदार गोपद बनास द्वारा उपस्थित समस्त विभाग के कर्मचारी खिलाड़ी एवं छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने शिक्षा के साथ-साथ खेलों में आगे बढ़ने तथा नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। साथ ही नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु स्वयं को नशे से मुक्त रखने की सलाह दी गई।

इसके पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित खिलाड़ियों विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं समस्त विभाग के कर्मचारियो एवं अभिभावकों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात पालिका व्यायाम शाला अमहा सीधी में नगर पालिका अध्यक्ष सीधी की उपस्थिति में नाग पंचमी के अवसर पर आयोजित दंगल प्रतियोगिता में भी नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। उक्त कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक समन्वय के द्वारा विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों में भी किया गया।

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 में आवेंदन की तिथि बढ़ाई गई

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 13 अगस्त

सीधी। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट के प्राचार्य डॉ डी के त्रिपाठी ने बताया कि सत्र 2026-2027 के लिए कक्षा छठवीं में प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि में वृद्धि की गई है। ऑन लाइन आवेदन की अंतिम तिथि 13 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है।

प्राचार्य ने बताया कि आवेदन भरते समय जाति प्रमाण पत्र अपलोड करना अनिवार्य था लेकिन अभी यह अनिवार्यता नहीं है। अब सभी बिना जाति प्रमाण पत्र के ही आवेदन भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सीधी जिले में पांचवीं में अध्ययनरत सभी छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का यह सुनहरा अवसर है। ऑन लाइन आवेदन की अंतिम तिथि 13 अगस्त के पहले आवेंदन करें।

तेंदूपत्ता संग्रहालय में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया

पर्यावरण जागरूकता के तहत किया गया पौधरोपण

सीधी

म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में वन विभाग के समन्वय से श्री राकेश कुमार सोनी प्रथम जिला न्यायाधीश, श्री मुकेश कुमार शिवहरे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक द्वारा दिनांक 30.07.2025 को स्थान सिंगरौली बायपास के पास तेंदूपत्ता संग्रहालय में जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधरोपण भी किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित किए गए तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

श्रीमान राकेश कुमार सोनी प्रथम जिला न्यायाधीश सीधी ने कहा कि सामाजिक न्याय और स्वच्छ पर्यावरण, दोनों ही एक समावेशी और स्वस्थ समाज की नीव है। हमें दोनों क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। शिविर के दौरान जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा आमजन को डॉन योजना, संवाद योजना तथा साथी योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के वंचित, शोषित और जरूरतमंद वर्गों तक न्याय और सहायता की पहुँच सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम में पर्यावरण जागरूकता के तहत कई प्रजातियों के पौधे रोपे गए, और उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

चोरगड़ी में हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया

सीधी। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के अध्यक्ष एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अनूठी पहल के अंतर्गत नवांकुर सखी योजना में दिनांक 29 जुलाई 2025 को विकासखंड रामपुर नैकिन के चोरगड़ी में सामाजिक कार्यकर्ता श्री देव कुमार सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य एवं श्री के के तिवारी की अध्यक्षता में कलश यात्रा एवं पौधा वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक शिवदत्त उरमलिया तथा नवांकुर संस्था जयप्रकाश युवा मंडल के अध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी के आयोजकत्व में कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीण जनो ने सहभागिता की। पंजीकृत 100 मातृ शक्तियों को 1100 पौधे वितरण करने के साथ ही अतिथियों के द्वारा पौधे रोपित किए गए। पवित्र देव स्थल चोरगड़ी तालाब के हनुमान मंदिर में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पूज्य स्वामी पुजारी रजनीश द्विवेदी मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक अनिल पाठक परामर्शदाता आशुतोष द्विवेदी जयप्रकाश गोस्वामी मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियां के अध्यक्ष सचिव के साथ ही एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू के छात्राओं ने सहभागिता की।

जिला न्यायालय परिसर में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित

सीधी

म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में आमजन को उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से श्री मुकेश कुमार शिवहरे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुश्री सुनीता रावत प्रभारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्री मृदुल लटौरिया न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक द्वारा दिनांक 29.07.2025 को जिला न्यायालय परिसर स्थित ए.डी.आर. सेंटर भवन में जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, महिलाएं, विद्यार्थी एवं अन्य वर्गों के लोग उपस्थित रहे।

श्री मुकेश कुमार शिवहरे ने अपने संबोधन में नागरिकों को उनके मौलिक अधिकारों, कानूनी सहायता, महिला एवं बाल संरक्षण कानून के प्रावधानों की जानकारी दी। प्रभारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री सुनीता रावत ने वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, घरेलू हिंसा अधिनियम एवं अन्य महत्वपूर्ण विधिक प्रावधानों की जानकारी दी। शिविर के दौरान जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा आमजन को डॉन योजना, संवाद योजना तथा साथी योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के वंचित, शोषित और जरूरतमंद वर्गों तक न्याय और सहायता की पहुँच सुनिश्चित करना है। शिविर का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाना तथा विधिक जागरूकता को बढ़ावा देना था।

सुपर-100 परीक्षा प्रदेश के 57 केन्द्रों पर 3 अगस्त को

सीधी। मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा सुपर-100 योजना में इस वर्ष परीक्षा का आयोजन 3 अगस्त को किया जा रहा है। परीक्षा जिला स्तर पर बनाये गये विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर होगी। रविवार को प्रथम पारी में प्रातरू 10.30 बजे से दोपहर एक बजे तक कक्षा-11वीं में जेईई की तैयारी के लिये एवं द्वितीय पाली में दोपहर 2रू30 से शाम 5 बजे तक कक्षा-11वीं में नीट की तैयारी के लिये प्रवेश परीक्षा का आयोजन होगा। परीक्षा के लिये जिला स्तर पर 57 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों की संख्या 10 हजार 727 है। परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय भोपाल एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मल्हार आश्रम इंदौर में प्रवेश दिया जायेगा। सुपर-100 परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र राज्य मुक्त शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड कर दिये गये हैं।

जिले में औसत वर्षा 841.6 मि.मी. दर्ज

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 30 जुलाई को सीधी जिले में 0.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 0.0 मि.मी., चुरहट 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 0.0 मि.मी., सिहावल में 0.0 मि.मी., बहरी में 0.0 मि.मी., मझौली में 0.0 मि.मी. और कुसमी में 3.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 841.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

जिला चिकित्सालय में मोतियाबिंद व आंखों से जुड़े ऑपरेशन सोमवार एवं बुधवार को किए जाते हैं

सीधी। सिविल सर्जन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय सीधी में डॉ. लक्ष्मण पटेल नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा 5 मोतियाबिंद के मरीजों का सफलतापूर्वक आपरेशन किया गया। इन्हें बुधवार को निःशुल्क दवाई एवं चस्मा वितरित किए गए। डॉ लक्ष्मण पटेल ने बताया कि सप्ताह के प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को निःशुल्क मोतियाबिंद, कांचबिंद, नखुना, चेलेजियांन एवं इन्ट्रोपियांन एवं आंख से संबंधित आपरेशन किए जाते हैं।

समाजवादी पार्टी के द्वारा कल विधानसभा का घेराव किया जाएगा

भोपाल के लिए समाजवादी पार्टी का जत्था कल रवना होगा

सीधी। समाजवादी पार्टी के शहर अध्यक्ष समर बहादुर के द्वारा मीडिया में जानकारी देते हुए बताया गया है कि भारतीय जनता पार्टी में बढ़ते भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए एवं सहारा निवेशकों के जमा पैसा को वापस दिलाने के लिए महिला उत्पीड़न, शोषित, वंचित, कमजोर तपके के लोगों पर अत्याचार पर रोक लगाने के लिए किसानों की विभिन्न समस्याओं, शिक्षा, बेरोजगारी महंगाई, और कई महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर 1 अगस्त को समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश के द्वारा विधानसभा का घेराव किया जाएगा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद उत्तर प्रदेश पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशानुसार एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनोज यादव के नेतृत्व में विधानसभा का घेराव किया जाएगा समाजवादी पार्टी के प्रदेश महासचिव व सीधी विधानसभा प्रत्याशी रहे राम प्रताप सिंह यादव के मार्गदर्शन में एवं जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिंह पटेल, पिछड़ा वर्ग प्रदेश महासचिव सुरेश यादव के नेतृत्व में कल दिनांक 31 जुलाई को सैकड़ो पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के साथ मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मानसून सत्र के दौरान विधानसभा का घेराव करने के लिए जाएंगे विधानसभा घेराव में सीधी से समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव सिंगरौली जिला प्रभारी श्रवण कुमार विश्वकर्मा के द्वारा हरी झंडी दिखाकर विधानसभा घेराव के लिए टीम को रवाना किया जाएगा एवं प्रदेश सचिव धर्मेंद्र सिंह बघेल एससी एसटी मोर्चा के जिला अध्यक्ष बैजनाथ साकेत भी टीम के साथ रवाना होंगे।

बेसहारा गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु हर जिले में आवंटित हो 500 एकड़ की भूमि,बने अत्याधुनिक गौशाला : सांसद

सीधी । लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद एवं ख्यातिप्राप्त चिकित्सक डॉ राजेश मिश्रा ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान बेसहारा गोवंश को संरक्षण और संवर्धन करने हेतु प्रत्येक जिले में 500 एकड़ भूमि आवंटित कर, वृहद गौशाला निर्मित कराकर, उन्हें वहां सुरक्षित करने तथा वहां के सेवाकर्मियों को गौपालन से संबंधित रोजगार उपलब्ध कराने की मांग रखी।

लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि लोकसभा संसदीय क्षेत्र सीधी, सिंगरौली, व्यवहारी (शहडोल) के साथ-साथ विंध्य के विभिन्न जिलों में बेसहारा गौ वंश की समस्या बनी हुई है। आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिए प्रत्येक जिले में भव्य और अत्याधुनिक गौशालाओं का निर्माण किया जाए। जिसमें बेसहारा पशुओं को रखे जाने की व्यवस्था हो। सांसद डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि ऐसा करने से जन, धन, गौधन, किसानों की फसलों का होने वाला नुकसान तो रुकेगा ही, इसके साथ जैविक खाद भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो सकेगी। जिसका उपस्थित सदस्यों ने मेज थपथपाकर मांग का समर्थन किया। सांसद डॉ राजेश मिश्रा की पहल का क्षेत्र के किसानो ने स्वागत किया है, क्योंकि बेसहारा पशुओं के कारण किसानी की फसल को अत्यधिक नुकसान पहुंचता था।

रोली मेमोरियल मे तुलसी जयंती 31 जुलाई को

सीधी। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी रोली मेमोरियल मे गोस्वामी तुलसी दास की जयंती का आयोजन दिनांक 31 जुलाई गरूवार को सांय 6 बजे से मेमोरियल के सभागार मे किया जा रहा है। जिसमे सीधी नगर के मूर्धन्य विद्वानों द्वारा गोस्वामी तुलसी दास के व्यक्तित्व, कृतित्व के साथ साथ उनकी अमर रचनाओं पर प्रकाश डाला जावेगा। इस अवसर तुलसी द्वारा रचित भजनों का भी गायन किया जावेगा। सीधी नगर के सभी भक्त, सुधीजन, साहित्य प्रेमियों से कार्यक्रम मे पहुंचने का आग्रह किया गया है।

खरीफ फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई

सीधी। उपसंचालक कृषि डॉ. राजेश सिंह चौहान ने जानकारी देकर बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों का बीमा कराने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत मौसम, सूखा, बाढ़, ओलावृष्टि आदि प्राकृतिक आपदाओं से यदि किसानों की फसल खराब होती है तो इस स्थिति में फसल को होने वाले नुकसान की छतिपूर्ति की जाती है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत समस्त ऋणी व अऋणी किसान 31 जुलाई 2025 तक फसलों का बीमा करा सकते हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में पटवारी हल्का स्तर पर अरहर, मक्का एवं धान, तहसील स्तर पर तिल, ज्वार एवं कोदो कुटकी तथा जिला स्तर पर उड़द एवं मूंग फसलों को अधिसूचित किया गया है। किसानों के लिए खरीफ मौसम में प्रीमियम दर अनाज, तिलहन, दलहन सभी फसलों के लिए बीमित राशि का 2 प्रतिशत या वास्तविक दर जो भी कम हो देय होगी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य याँत्रिकीय विभाग खण्ड सीधी(म0प्र0)
सम्राट चौराहा के पास, ई-मेल eephedsid@nic.in फोन नम्बर 07822-292508
निविदा सू0क0 05 /नि.प्र./व.ले.लि./का0य0/लो0स्वा0यां0वि0/25-26 सीधी दिनांक 28.07.2025

निम्न कार्यो हेतु निविदा का आनलाईन बेबसाइड http//mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 12.08.2025 सायं 5:30 बजे तथा निविदा खुलने की तिथि 14.08.2025 को 11:00 बजे है। निविदा में संशोधन की स्थिति उपरोक्त बेबसाईट पर देखी जा सकती है।

Name of work- Balance work of Retrofitting Work of Piped Water Supply Scheme to achieve the target of JJM for supplying water at every doorstep through functional household tap connection (i.e. 100% FHTC's) in Villages Gijwar Block – Majhouli District - SIDHI.

S. N.	Tender ID	Name of scheme village	PAC(Rs. in Lakh)	E-EMD in Rs	Cost of Tender	NO.Of Calls
1	EE_PHED_440462 _1	गिजवार ब्लाक मझौली	114.13	114130	12500.00	Ist Call

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग
खण्ड सीधी (म.प्र.)
जी-16490/25

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला-सीधी (म0प्र0)
Email-modgmsid@mp.gov.in
क्रमांक/571/खनिज/2025 सीधी, दिनांक 29/07/2025

// प्रथम सूचना //

" म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) "

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक सिद्धिदात्री मिनरल्स प्रा.लि. निवासी शास्त्री नगर सीधी, थाना कोतवाली, तहसील-गोपदबनास, जिला-सीधी द्वारा ग्राम-गिजवार, तहसील-मझौली, द्वारा पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन 21.07.2025 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 02.08.2025 से 01.09.2025 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanijmp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	ख.क्र.	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
सीधी	मझौली	गिजवार	956, 972,	2.108	निजी /शासकीय	ग्रेनाईट	-

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रो को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जायेगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र द्वारा तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जायेगा।

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला सीधी (म.प्र.)
जी-16484/25

संपादकीय

दबाव को दरकिनार कर भारत ने चुना अपना रास्ता

भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते को मौजूदा दौर में दुनिया भर में जारी बहुस्तरीय तनाव और दबाव की राजनीति के बीच एक बेहतर कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है। यह छिपा नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप ने इस बार अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद से शुल्क के मोर्चे पर किस तरह का द्वंद्व खड़ा कर दिया है।हालांकि भारत ने अब तक अमेरिका की ओर से पैदा किए गए किसी दबाव के आगे झुकना स्वीकार नहीं किया है और उसने नए विकल्पों को खड़ा करने और पुराने को मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन के अपने समकक्ष के साथ गुरुवार को एक ऐतिहासिक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय कारोबार में लगभग चौंतीस अरब डालर की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।दूसरी ओर, यूरोपीय संघ छोड़ने के बाद ब्रिटेन का यह किसी देश के साथ सबसे बड़ा और आर्थिक रूप से सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण व्यापार समझौता है। इस समझौते से निन्यानबे फीसद भारतीय निर्यात पर शुल्क समाप्त होने के साथ ब्रिटिश कारों, विस्की और कई अन्य वस्तुओं पर लगने वाले शुल्क में भी कटौती होगी।गौरतलब है कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते को इस निष्कर्ष तक पहुंचने में करीब तीन वर्ष लगे। दरअसल, फिलहाल दुनिया जिस तरह शुल्क के मसले पर व्यापार युद्ध के कगार पर है, उसमें समझौते के हर बिंदु पर कानूनी जांच और आटोमोबाइल उद्योग के संदर्भ में शुल्क छूट से जुड़े मसलों पर विचार करना लाजिमी था।अगर यह द्विपक्षीय समझौता जमीन पर उतरता है, तो भारत के वस्त्र, जूते, समुद्री खाद्य पदार्थ, इंजीनियरिंग सामान, रत्न और आभूषणों का निर्यात ब्रिटेन के बाजार में और बेहतर पहुंच बना सकेगा। साथ ही भारत के कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों के लिए भी नई राह खुलने के मौके बनेंगे और इस तरह देश के युवा वर्ग और किसानों के लिए नई संभावनाओं का दरवाजा खुल सकता है। वहीं, ब्रिटेन के चिकित्सा उपकरणों और कल-पुर्जे जैसे उत्पाद अब भारत में अपेक्षया कम कीमत पर उपलब्ध हो सकेंगे।हालांकि बौद्धिक संपदा अधिकार से जुड़े मसले पर आशंकाएं जताई जाती रही हैं, इसलिए भारत को आगे भी सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि स्वास्थ्य का अधिकार, सस्ती दवाओं की उपलब्धता और न्यायपूर्ण पेटेंट प्रणाली प्राथमिक चिंता की बात होनी चाहिए।

आज भारतीय समाज में आज भी यदि डॉक्टरी पेशे को इज्जत भरी निगाहों से देखा जाता है तो इसके पीछे चंद कतिपय ईमानदार और काबिल डॉक्टरों की मरीजों के प्रति समर्पित सेवा भावना को ही श्रेय जाता है। लेकिन बदलते वक्त के साथ साथ जैसे जैसे 'बाप बड़ा न भैय्या सबसे बड़ा रुपैया' वाली भावना हर पेशे के लोगों में बढ़ती जा रही है, वहां आदर्श, मूल्य, नैतिकता और ईमानदारी जैसे गुणों को तिलांजलि देकर अनैतिकता, स्वार्थ, लूटपाट और बईमानी जैसे कदाचार से परिपूर्ण दुर्गुणों ने ले ली है। सरकारी और निजी क्षेत्र में बढ़ते अनैतिक आचरण और फलफूल रहे भ्रष्टाचार पर आधारित 'गब्बर इज़ बैक' फिल्म की कहानी में कुछ कुछ उपर्युक्त वर्णित सामाजिक परेशानियों को ही उजागर करने का प्रयास फिल्म निर्माताओं ने किया था। भले ही 'गब्बर इज़ बैक' फिल्म की कहानी को समीक्षकों ने एक नीरस और पूरी तरह से निरर्थक फिल्म करार दिया हो या फिल्म को पूरी तरह से 'मसाला' फिल्म बताकर उसे खारिज कर दिया हो, तथापि भारतीय समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार और सरकारी नौकरीपेशा लोगों द्वारा बईमानी एवं रिश्वतखोरी से दो चार हो चुके लोगों को जरूर लगेगा कि यह फिल्म कहीं न कहीं उनकी व्यथा, पीड़ा और हताशा का प्रतिनिधित्व करती है।

यह सच है कि निजी अस्पताल मरीजों का एटीएम की तरह इस्तेमाल करते हैं

अशोक भाटिया

निजी अस्पताल मरीजों का एटीएम की तरह इस्तेमाल करते हैं। ऐसा समाचार आज के कई समाचार पत्रों में छपा है . समाचार पत्रों में छपे समाचार के अनुसार गुरुवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक केस की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है । अदालत ने लापरवाही के एक मामले में डॉक्टर के खिलाफ आपराधिक केस हटाने की मांग को खारिज करते हुए यह बात कही। जस्टिस प्रशांत कुमार की बेंच ने पाया कि डॉ. अशोक कुमार ने एक गर्भवती महिला को सर्जरी के लिए एडमिट कर लिया था, जबकि उनके पास एनेस्थिटिस्ट की कमी थी। वह काफी देर से पहुंचा और तब तक गर्भ में पल रहे भ्रूण की मौत हो गई थी। अदालत ने कहा कि यह सामान्य हो गया है कि अस्पताल पहले मरीजों को भर्ती कर लेते हैं और फिर संबंधित डॉक्टर को बुलाया जाता है।

दरअसल आज भारतीय समाज में आज भी यदि डॉक्टरी पेशे को इज्जत भरी निगाहों से देखा जाता है तो इसके पीछे चंद कतिपय ईमानदार और काबिल डॉक्टरों की मरीजों के प्रति समर्पित सेवा भावना को ही श्रेय जाता है। लेकिन बदलते वक्त के साथ साथ जैसे जैसे 'बाप बड़ा न भैय्या सबसे बड़ा रुपैया' वाली भावना हर पेशे के लोगों में बढ़ती जा रही है, वहां आदर्श, मूल्य, नैतिकता और ईमानदारी जैसे गुणों को तिलांजलि देकर अनैतिकता, स्वार्थ, लूटपाट और बईमानी जैसे कदाचार से परिपूर्ण दुर्गुणों ने ले ली है। सरकारी और निजी क्षेत्र में बढ़ते अनैतिक आचरण और फलफूल रहे भ्रष्टाचार पर आधारित 'गब्बर इज बैक' फिल्म की कहानी में कुछ कुछ उपर्युक्त वर्णित सामाजिक परेशानियों को ही उजागर करने का प्रयास फिल्म निर्माताओं ने किया था। भले ही 'गब्बर इज बैक' फिल्म की कहानी को समीक्षकों ने एक नीरस और पूरी तरह से निरर्थक फिल्म करार दिया हो या फिल्म को पूरी तरह से 'मसाला' फिल्म बताकर उसे खारिज कर दिया हो, तथापि भारतीय समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार और सरकारी नौकरीपेशा लोगों द्वारा बईमानी एवं रिश्वतखोरी से दो चार हो चुके लोगों को जरूर लगेगा कि यह फिल्म कहीं न कहीं उनकी व्यथा, पीड़ा और हताशा का प्रतिनिधित्व करती है।

इसी फिल्म का एक डायलॉग, 'सोसायटी क्रिमिनल्स के कुछ करने से बर्बाद नहीं होतीज्सोसायटी तबाह होती है एक सक्षम आदमी के कुछ न करने से', एक किरदार की हताशा को बयां करता है। फिल्म में एक छोटे कथानक द्वारा दर्शाया गया है कि किस प्रकार से प्राइवेट हॉस्पिटल माफिया के लोग सामान्य लोगों को परीक्षणों के नाम पर अथवा मर चुके व्यक्ति को भी वेंटिलेटर पर दिखा कर उपचार के नाम पर लूटते हैं, जो कहीं न कहीं अभी भी हमारे समाज और व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार रूपी बीमारी को ही उजागर करता है। संदेश स्पष्ट है कि प्राय- निजी अस्पतालों अथवा सरकारी चिकित्सालयों में लापरवाही की ऐसी न जाने कितनी घटनाएं घटती रहती हैं, लेकिन हमारे कमजोर सिस्टम की वजह से फिर भी दोषी साफ बच निकलते हैं और भुक्तभोगी आम आदमी मन मसोस कर रह जाता है। भारतीय संस्कृति में ज्ञान का विशद प्रवाह पढ़ने को मिलता है। हजारों वर्ष पूर्व वृहदारण्यक उपनिषद् के इस श्लोक में सभी जीवों के कल्याणार्थ प्रार्थना को ही देखें ='सर्वे भवन्तु सुखिन-, सर्वे सन्तु निरामया-। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद्दुखभाग्भवेत। ओउम शांति- शांति- शांति-॥' अर्थात, हे ईश्वर, इस धरा में सभी प्राणी खुश रहें, सभी बीमारी से मुक्त हों। सभी देखें कि क्या शुभ है, किसी को भी कष्ट न हो।

और सर्वत्र शांति हो !' इतना सुंदर ज्ञान एवं मार्गदर्शन होने के बावजूद मनुष्य इस आधुनिक युग में अपनी अनियंत्रित और असीमित भौतिकतावादी अभिलाषाओं की पूर्ति के लिए अपने पतन की पराकाष्ठा को लांघकर क्या क्या नहीं षड्यंत्र रचकर अपने ही भाईयों का निर्ममतापूर्वक शोषण कर खुश हो रहा है। कई मामलों में देखने में आया है कि सरकारी अस्पतालों के विशेषज्ञ डॉक्टर अपने घरों में ही निजी प्रैक्टिस कर रहे हैं या प्राइवेट अस्पतालों में भी सेवारत हैं। अभी पिछले दिनों आयुष्मान भारत योजना में प्राइवेट अस्पतालों द्वारा किए गए बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) में राष्ट्रीय धोखाधड़ी विरोधी इकाई (एनएएफयू) का गठन किया गया है। यह धोखाधड़ी से संबंधित मुद्दों की जांच करती है। एनएएफयू ने 6.66 करोड़ दावों में से प्राइवेट हॉस्पिटल के 562.4 करोड़ रुपए के 2.7 लाख क्लेम फर्जी पाए थे, जिन्हें रिजेक्ट किया गया है। सरकार ने इस मामले का कड़ा संज्ञान लेते हुए और इस पर सख्त कदम उठाते हुए 1 हजार 114 अस्पतालों को पैनल से हटा दिया है। भारत में वर्तमान में लगभग 13 लाख 86 हजार 159 एलोपैथिक डॉक्टर (एमबीबीएस) हैं, नेशनल मेडिकल कमीशन के अनुसार। इन डॉक्टरों के साथ, डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात 1-811 है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित 1.1000 से बेहतर है। देश में 1.18 लाख एमबीबीएस सीटें भी उपलब्ध हैं, जो कि 2014 में 51348 से बढ़कर 118137 हो गई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच सीमित है और वहां बुनियादी ढांचे की भी कमी है। यदि हिमाचल की ही बात करें तो हिमाचल प्रदेश अपनी शांत वादियों, सरल जीवनशैली और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है, लेकिन हाल के वर्षों में राज्य में निजी अस्पतालों द्वारा आम जनता का आर्थिक शोषण बढ़ा है और फिर भी ज्यादातर मामलों में अंतत- रिश्तेदार अपने मरीजों को चंडीगढ़ लेकर जाने के लिए मजबूर नजर आते हैं।

जब सरकारी अस्पतालों की सुविधाएं अपर्याप्त साबित होती हैं, तब आम नागरिक मजबूरी में प्राइवेट अस्पतालों का रुख करता है। प्राय- देखने में आता है कि निजी अस्पतालों द्वारा छोटी सी जांच या इलाज के लिए हजारों से लेकर लाखों रुपए तक का बिल बना दिया जाता है। आईसीयू चार्ज, मॉनिटरिंग फीस, डिस्पोजेबल सामान, यहां तक कि बिस्तर की चादर और ग्लब्स के नाम पर भी पैसे वसूले जाते हैं। बहुत से मामलों में देखा गया है कि मरीज को केवल कमाई का साधन समझा जाता है और उनके जबरन एमआरआई, सीटी स्कैन, ब्लड टेस्ट आदि कराए जाते हैं, जो कई बार अनिवार्य भी नहीं होते हैं। कई बार मामूली समस्याओं को जटिल बताकर ऑपरेशन करने का भी दबाव डाला जाता है। याद रखें कि स्वास्थ्य सेवा व्यापार नहीं, जन हितैषी सेवा है। हिमाचल जैसे शांत और ईमानदार राज्य में इस तरह की घटनाएं सामाजिक न्याय की भावना को ठेस पहुंचाती हैं। वक्त आ गया है कि स्वास्थ्य सेवा को शोषण नहीं, सेवा एवं सहयोग का माध्यम बनाया जाए ताकि सर्वे संतु निरामया- की भावना की सर्वोच्चता बरकरार रहे।

ध्यान देने वाली बात यह है कि हालिया इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा है कि यह एक सामान्य प्रैक्टिस देखी जा रही है कि निजी अस्पताल मरीजों को इलाज के लिए एडमिट कर लेते हैं। भले ही उनके पास संबंधित बीमारी के इलाज के लिए डॉक्टर न हो। मरीजों को भर्ती करने के बाद ही ये डॉक्टर को कॉल करते हैं। एक बार मरीज को एडमिट करने के बाद ये लोग डॉक्टरों को कॉल करना शुरू करते हैं। यह सामान्य धारणा बन गई है कि निजी अस्पतालों की ओर से मरीजों का इस्तेमाल एक एटीएम की तरह किया जाता है, जिनसे पैसों की उगाही होती है।

12 हजार नौकरियों में कटौती कर रही है टीसीएस , क्या एआई छीनने लगा है रोजगार या स्किल गेप है असली चुनौती?

(नीरज कुमार दुबे)

टीसीएस ने हाल ही में अपने वैश्विक कार्यबल में लगभग 2त्न (करीब 12,000–12,261) कर्मचारी निकालने की घोषणा की है, जो मध्य और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को अधिक प्रभावित करेगी। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में इसे एआई चालित तकनीकी बदलावों का नतीजा बताया जा रहा है, लेकिन कंपनी के सीईओ ने स्पष्ट किया है कि यह मूलत : स्किल मिसमैच – की वजह से किया जा रहा है, न कि सीधे एआई द्वारा ऑटोमेशन की वजह से। हम आपको बता दें कि टीसीएस के सीईओ ने कहा है कि यह एआई की वजह से नहीं है बल्कि यह कर्मचारी की स्किल्स और कंपनी की डिमांड के बीच असंगति की वजह से है।

हम आपको बता दें कि टीसीएस के कर्मचारियों की संख्या 30 जून, 2025 तक 6,13,069 थी। टीसीएस ने एक बयान में कहा है कि यह कदम कंपनी की भविष्य के लिए तैयार संगठन बनने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

टीसीएस ने हाल ही में अपने वैश्विक कार्यबल में लगभग 2त्न (करीब 12,000-12,261) कर्मचारी निकालने की घोषणा की है, जो मध्य और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को अधिक प्रभावित करेगी। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में इसे एआई चालित तकनीकी बदलावों का नतीजा बताया जा रहा है, लेकिन कंपनी के सीईओ ने स्पष्ट किया है कि यह मूलतः स्किल मिसमैच -की वजह से किया जा रहा है, न कि सीधे एआई द्वारा ऑटोमेशन की वजह से। हम आपको बता दें कि टीसीएस के सीईओ ने कहा है कि यह एआई की वजह से नहीं है बल्कि यह कर्मचारी की स्किल्स और कंपनी की डिमांड के बीच असंगति की वजह से है।

हम आपको बता दें कि टीसीएस के कर्मचारियों की संख्या 30 जून, 2025 तक 6,13,069 थी। टीसीएस ने एक बयान में कहा है कि यह कदम कंपनी की भविष्य के लिए तैयार संगठन बनने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इसके तहत नई तकनीक के क्षेत्रों में निवेश, नए बाजारों में प्रवेश, ग्राहकों और स्वयं के लिए बड़े पैमाने पर एआई का उपयोग, साझेदारियों को मजबूत करना, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे का निर्माण और अपने कार्यबल मॉडल को पुनर्गठित करने पर ध्यान दिया जाएगा। कंपनी ने कहा, इस यात्रा के एक भाग के रूप में, हम संगठन से उन सहयोगियों को भी हटाएंगे जिनकी तैनाती संभव नहीं हो सकती है। इसका प्रभाव हमारे वैश्विक कार्यबल के लगभग दो प्रतिशत पर पड़ेगा। इसमें मुख्य रूप से मध्यम और वरिष्ठ श्रेणी के अधिकारी होंगे। हालांकि टीसीएस ने प्रभावित कर्मचारियों को उचित लाभ, क्षतिपूर्ति, परामर्श और सहायता देने का आश्वासन दिया है लेकिन बड़े पैमाने पर होने वाली इस छंटनी ने बाजार में हलचल मचा दी है।

यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि क्या एआई नौकरियां छीन रहा है? इसके बारे में विश्लेषकों की राय है कि एआई लेड डिसरुपेशन और बदलती बिजनेस डिमांड के चलते एआई कंपनियों को अपनी संरचना बदलनी पड़ रही है। इसलिए, सीधे एआई के कारण नौकरी चली गई, ऐसा कहना ठीक नहीं होगा; बल्कि यह टेक्नोलॉजी परिवर्तन, मांग में गिरावट और स्किलिंग की कमी का मिश्रित परिणाम है। बहरहाल, देखा जाये तोएआई कार्यक्षेत्र को तेजी से बदल रहा है। यह एक दोधारी तलवार है। जो कर्मचारी नए कौशल सीखेंगे और ॒ढ्ढ को अपनाएंगे, उनके लिए नए अवसर हैं। जो कौशल-विकास में पीछे रहेंगे, वे नौकरी खोने के जोखिम में होंगे। भारतीय आईटी क्षेत्र में टीसीएस जैसी छंटनियाँ बताती हैं कि कौशल-अंतराल बड़ी चुनौती है। 2030 तक 80 प्रतिशत कार्यबल को डिजिटल रूप से सक्षम बनाना जरूरी है। एआई के दौर में नौकरी सुरक्षित रखने का एक ही मंत्र है सतत सीखें, बदलते कौशल को अपनाएँ और एआई को सहयोगी बनाएं, प्रतिस्पर्धी नहीं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5808

1	2		3	4	5	■	■
6		■	7			8	■
	■	9			■	10	11
12	13			■	14		
■	15		■	16			
17		■	■		■	■	
18		19	20		■	21	■
22				■	23		

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारत में 5 सितंबर इस दिवस के रूप में मनाया जाता है (6)
6. अवस्था, उम्र, जीवन अवस्था (2)
7. ऐसा कोई घटना जिसमें कोई अपराध हुआ हो (4)
9. परिपक्व होना, पुयित होना (3)
10. मंगल ग्रह इस रंग का बताया जाता है, इंद्रधनुष के रंगों में से एक (2)
12. स्मरणीय, याद रखने योग्य, स्मारक, अविस्मरणीय (4)
14. पृथ्वी की ऊपरी सतह (3)
15. पुरूष, मर्द (2)
16. अत्यंत दुबला पतला (4)
17. मुकदमा, अभियोग (2)
18. शरण देना, आश्रय देना (5)
22. अत्यंत प्राचीनकाल से चला आता (4)
23. यह हिमालय में एक पहाड़ी राज्य है जिसके उत्तर में चीन और दक्षिण में भारत है जिसकी राजधानी थिम्फू है (3)

संकेत: ऊपर से नीचे

1. मादक पदार्थ, भांग को यह भी कहत है (4)
2. कुपोषण, नाश या नष्ट होना, तपेदिक, टी.बी (2)
3. दिनपति, सूर्य, सूरज, रवि (4)
4. विवाह के समय वधु का वर को अंगीकार करना, यदि ऐसा न होगा तो (3)
5. प्रतिध्वनि, फकीर की आवाज, फरियाद (2)
8. पुराणानुसार सात पातालों में से एक पाताल, कहते है प्रहलाद का निवास स्थान यहीं है (4)
9. उजरत, तनख्वाह, वेतन (3)
11. प्रबल अभिलाषित होना, तीव्र उत्कंठित होना (4)
13. दन-दन शब्द करते हुए आना या दन-दन शब्द करना (5)
14. क्षुधा, भूख शब्द अपभ्रंश (2)
16. सटना, रिश्ते में कुछ होना (3)
17. लौटा हुआ या फिरता हुआ (3)
19. ताड़ित, पीटा हुआ, गुणा किया हुआ (2)
20. प्रदत्त या प्राप्त वस्तु (2)
21. जिसका डील या कद छोटा हो, ठिगना (2)

वर्ग पहेली 5807 का हल

स्पे	न	■	भा	र	त	■	ब
श	ह	ना	ई	■	ल	ल	क
ल	ला	ट	■	सु	ब	क	ना
■	ना	क	र	ना	■	वा	■
मे	■	■	त	री	का	■	सु
ध	न	क	ना	■	नू	त	न
दू	र	■	र	ह	न	■	ना
त	म	क	■	म	न	स्वी	■

ऐसे हुई थी प्रथम विश्व युद्ध की शुरूआत, जानिए इसका भयावह इतिहास

(अनन्या मिश्रा)

आप सभी ने फर्स्ट वर्ल्ड वॉर के बारे में काफी कुछ पढ़ा होगा। वैसे तो साल 1914 से 1918 तक लड़ा गया था। यह युद्ध एशिया, यूरोप और अफ्रीका तीन महाद्वीपों के आकाश, समुद्र और धरती में लड़ा गया था।

आप सभी ने फर्स्ट वर्ल्ड वॉर के बारे में काफी कुछ पढ़ा होगा। वैसे तो साल 1914 से 1918 तक लड़ा गया था। यह युद्ध एशिया, यूरोप और अफ्रीका तीन महाद्वीपों के आकाश, समुद्र और धरती में लड़ा गया था। लेकिन इसको मुख्य रूप से इसको यूरोप का महायुद्ध कहा जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर इस लड़ाई को 'विश्व युद्ध' क्यों कहा जाता है और दुनिया पर इसका क्या प्रभाव पड़ा था।

प्रथम विश्व युद्ध

प्रथम विश्व युद्ध की वजह से करीब आधी दुनिया हिंसा के चपेट में आ गया था। इस दौरान करीब 1 करोड़ लोगों की मौत हुई थी। वहीं 2 करोड़ से अधिक लोग इस युद्ध में घायल हो गया था। साथ ही कुपोषण और बीमारियों जैसी घटनाओं से भी लाखों लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। प्रथम विश्व युद्ध के खत्म होते-होते दुनिया के चार बड़े साम्राज्यों जर्मनी, रूस, उस्मानिया और ऑस्ट्रिया-हंगरी का विनाश हो गया था। इसके बाद यूरोप की सीमाएं फिर से निर्धारित हुई और महाशक्ति के रूप में अमेरिका दुनिया के सामने उभरा था।

बता दें कि प्रथम विश्व युद्ध के लिए किसी भी एक घटना को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। प्रथम विश्व युद्ध को 1914 तक हुई तमाम घटनाओं और कारणों की वजह माना जा सकता है। लेकिन फिर भी इस युद्ध का तत्कालीक कारण यूरोप के सबसे विशाल ऑस्ट्रिया-हंगरी साम्राज्य के उत्तराधिकारी आर्चड्यूक फर्डिनेंड और उनकी पत्नी की हत्या को माना जाता है। 28 जून 1914 को उनकी हत्या हुई थी, जिसका आरोप सर्बिया पर लगाया गया था। इस घटना के 1 महीने बाद 28 जुलाई 1914 को सर्बिया पर ऑस्ट्रिया ने हमला कर दिया। फिर इस युद्ध में विभिन्न देश शामिल होते गए और इसने विश्व युद्ध का रूप ले लिया।

हालांकि 11 नवंबर 1918 को जर्मनी के ऑफिशियल रूप से सरेंडर करने के बाद युद्ध समाप्त हो गया। इसी वजह से 11 नवंबर को प्रथम विश्व का आखिरी दिन कहा जाता है। वहीं 28 जून 1919 को जर्मनी ने वर्साय की संधि, जिसको शांति समझौत भी कहा जाता है, इस पर हस्ताक्षर किए गए। वहीं इस कारण जर्मनी को अपनी भूमि का एक बड़ा हिस्सा गंवाना पड़ा। साथ ही सेना का आकार सीमित कर दिया गया और उस पर दूसरे राज्य पर कब्जा करने की पाबंदी लगा दी गई।

ऐसा माना जाता है कि वर्साय की संधि को जर्मनी पर जबरदस्ती थोपा गया। इस वजह से हिटलर और जर्मनी के अन्य लोग इसको अपना अपमान मानते थे और माना जाता है कि यह अपमान ही सेकेंड वर्ल्ड वॉर की वजह बना था।

आज का राशिफल

मेष
आज आपको कोई उपहार या समाज में सम्मान प्राप्त हो सकता है। व्यापार के मामले में किसी पुरानी महिला मित्र के द्वारा आपको अचानक धन लाभ हो सकता है। जिससे मन प्रसन्न रहेगा और तनाव कम होगा। नौकरी करने वालों को भी सफलता प्राप्त होगी। शाम के समय आपको अचानक किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जो लाभदायक साबित होगी।

वृष
आज व्यापार के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको अचानक कोई लाभ प्राप्त हो सकता है और मन को सुकून प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में आपको किसी ऐसे काम का शुभ परिणाम प्राप्त हो सकता है, जिसका लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। इसी के चलते आपका मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, शाम को परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे जिससे मानसिक तनाव कम होगा।

मिथुन
आज आपके द्वारा किया हुआ कोई भी काम आसानी से पूरा हो जाएगा। लेकिन आपको अनावश्यक कार्यों में समय लगाने से बचना होगा। साथ ही, आपको खर्च में भी कटौती करनी होगी वरना भविष्य में किसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क
आज किसी व्यक्ति के साथ निकटता और दोस्ती हो सकती है। उनके अनुभव से आपको लाभ भी प्राप्त हो सकता है। इससे साथियों के बीच भी आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। इसके अलावा, विद्यार्थियों को सलाह है कि वे अपना ज्यादा समय पढ़ाई-लिखाई पर लगाएं। शाम के समय घर में पूजा व किसी धार्मिक अनुष्ठान का

सिंह
आज सांसारिक सुख प्राप्त होगा। समाज में भी आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और भाग्य चमकने के योग भी बन रहे हैं। व्यापार के मामले में नए कार्यों और खोज में आपकी रुचि बढ़ सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है, जिससे जीवन में उत्साह बढ़ेगा। वहीं, घर में भी उत्सव जैसा माहौल बना रहेगा।

कन्या
आज कार्यस्थल पर आपके ऊपर काम का प्रेशर कुछ ज्यादा रह सकता है, जिससे तनाव बढ़ेगा। अपने जूनियर्स से काम करवाने के लिए आपको मधुर वाणी का प्रयोग करना होगा। घर में चल रही समस्याओं को आपको संयम के साथ दूर करना होगा। इससे धीरे-धीरे आपके समाधान मिलने लगेंगे।

तुला
आज व्यापार के मामले में आपको जल्दबाजी में फैसले लेने से बचना होगा, अन्यथा नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। अपने निजी जीवन की समस्याओं को व्यावसायिक मामलों में लाने से बचना होगा वरना नुकसान हो सकता है। किसी प्रियजन या जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है।

वृश्चिक
आज किसी व्यक्ति के साथ निकटता और दोस्ती हो सकती है। उनके अनुभव से आपको लाभ भी प्राप्त हो सकता है। इससे साथियों के बीच भी आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। इसके अलावा, विद्यार्थियों को सलाह है कि वे अपना ज्यादा समय पढ़ाई-लिखाई पर लगाएं। शाम के समय घर में पूजा व किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन हो सकता है।

धनु
आज विरोधी परास्त हो सकते हैं। राजनीतिक सहयोग प्राप्त होने की संभावना है, लेकिन आपको कार्यक्षेत्र में अपनी वाणी पर संयम रखना होगा। व्यापार के मामले में आपको पैसों की लेन-देन के समय सावधानी बरतनी होगी, अन्यथा नुकसान हो सकता है। शाम के समय नए संपर्क बन सकते हैं लेकिन किसी भी यात्रा के दौरान आपको सावधान रहना होगा।

मकर
आज आपको कोई उपहार या समाज में सम्मान प्राप्त हो सकता है। व्यापार के मामले में किसी पुरानी महिला मित्र के द्वारा आपको अचानक धन लाभ हो सकता है। जिससे मन प्रसन्न रहेगा और तनाव कम होगा। नौकरी करने वालों को भी सफलता प्राप्त होगी। शाम के समय आपको अचानक किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जो लाभदायक साबित होगी।

कुंभ
आज कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है और धन लाभ के भी अच्छे योग बन रहे हैं। इससे आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में अपने व्यवहार और मधुर वाणी के चलते आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। साथ ही, दूसरों की मदद करने में भी आप सफल रहेंगे। कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा की योजना प्रबल होकर स्थगित हो सकती है।

मीन
आज आप ज्यादा व्यस्त रहेंगे और भागदौड़ भी देखने को मिल सकती है। कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों से आपको सराहना मिलेगी और पिता भी आपकी तारीफ करेंगे। घर में किसी मंगलमय या धार्मिक आयोजन के चलते व्यस्त रह सकते हैं। लेकिन आपको जीवनसाथी का पूरा सहयोग और प्रेम मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

सुशांत सिंह राजपूत केसः कोर्ट ने रिया चक्रवर्ती को थमाया नोटिस

मुंबई, एजेंसी। मुंबई की एक अदालत ने बॉलीवुड अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को एक नोटिस जारी करके फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर 'क्लोजर रिपोर्ट' पर जवाब मांगा है। केंद्रीय एजेंसी ने पांच साल पुराने इस मामले में अपनी 'क्लोजर रिपोर्ट' मार्च में उपनगरीय बांद्रा स्थित एक मजिस्ट्रेट अदालत में दाखिल की थी। बाद में यह मामला दक्षिण मुंबई की एस्प्लेनेड अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया, जो सीबीआई के मामलों की सुनवाई करती है। एस्प्लेनेड अदालत में मामले की सुनवाई कर रहे अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आर डी चव्हाण ने इस महीने की शुरुआत में मामले के मूल शिकायतकर्ता/पीड़ित/ (चक्रवर्ती) को नोटिस जारी किया था। चक्रवर्ती ने राजपूत की बहनों और एक डॉक्टर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि वे उनकी मौत के लिए जिम्मेदार हैं। इस मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी। सीबीआई ने मामले की जांच के बाद एक 'क्लोजर रिपोर्ट' पेश की। संबंधित पक्षों की सुनवाई के बाद, अदालत को यह तय करना है कि रिपोर्ट स्वीकार की जाए या एजेंसी को आगे की जांच का आदेश दिया जाए। बिहार के रहने वाले राजपूत (34) 14 जून, 2020 को बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। रिया चक्रवर्ती ने कहा था कि सुशांत बाइपोलर डिसॉर्डर से पीड़ित थे और ठीक से अपना इलाज नहीं करवा रहे थे। वहीं सीबीआई ने कहा था कि इस मामले में मूल रूप से आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं पाया गया है।

चमोली में बस पलटने से छह सैनिकों सहित सात लोग गंभीर रूप से घायल

चमोली, एजेंसी। उत्तराखंड के चमोली जिले में बुधवार को बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक बस के सड़क पर पलटने से उसमें सवार सेना के छह जवानों समेत सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। चमोली के जिलाधिकारी डॉ. संदीप तिवारी ने यहां बताया कि हादसा नंदप्रयाग के पास सोनला में हुआ जहां सैनिकों से भरी बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गयी। तिवारी ने बताया कि जोशीमठ से रायवाला जा रही इस बस में चालक के अलावा सेना के 31 जवान सवार थे। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में सेना के छह जवान और वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हुए हैं तथा उन्हें कर्ण प्रयाग के सरकारी अस्पताल में भर्ती किया गया है। उन्होंने बताया कि शेष जवान मामूली रूप से घायल हुए हैं।

रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को जीएसटी चोरी रोकने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की चोरी रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। रेड्डी ने मंगलवार रात वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और उनसे यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि सभी कंपनियां जीएसटी भुगतान करें। मंगलवार देर रात जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि उन्होंने जीएसटी भुगतानकर्ताओं की शंकाओं को दूर करने के लिए एक कॉल सेंटर स्थापित करने का सुझाव दिया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबंधित कार्यालयों में करदाताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए कदम उठाने के भी निर्देश दिए।

दिल्ली में महिलाओं को मिलेगी 24×7 आज़ादी, नाइट शिफ्ट में कर सकेंगी काम, सुरक्षा के होंगे कड़े इंतजाम

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार द्वारा नाइटलाइफ़ को पुनर्जीवित करने के प्रयासों के तहत, अब दिल्ली में महिलाएं दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में रात्रि पाली (24म7) में काम कर सकेंगी। इस ऐतिहासिक निर्णय की घोषणा करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस कदम से कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में व्यापार करने में आसानी को भी बढ़ावा मिलेगा। दिल्ली सरकार ने दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में महिलाओं को रात्रि पाली में काम करने की अनुमति देने वाले प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना और दिल्ली को 24 घंटे कार्यरत रहने वाला व्यावसायिक केंद्र बनाना है। गुप्ता ने इसे एक ''ऐतिहासिक निर्णय'' बताते हुए कहा कि यह कदम महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि रात्रि पाली में काम करने वाली महिलाओं की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए कड़े सुरक्षा उपाय किए जाएंगे मुख्यमंत्री ने कहा, ''दिल्ली अब हरियाणा, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों की सूची में शामिल हो जाएगी, जहां महिलाओं को रात्रि पाली में काम करने की अनुमति है।'' गुप्ता ने कहा, ''यह नीति केवल काम के घंटे बढ़ाने के बारे में नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय राजधानी में महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और अधिक समावेशी कार्य का माहौल बनाने के हमारे इरादे का प्रतीक है।

तीन दिन पहले पिता बने सीआरपीएफ जवान की हत्या, कांवड़ यात्रा के दौरान हुए झगड़े के कारण गई जान

सोनीपत , एजेंसी। हरियाणा के सोनीपत जिले में तीन हमलावरों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक 30 वर्षीय जवान की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस को संदेह है कि पिछले हफ्ते पीड़ित का कांवड़ियों से झगड़ा हुआ था। पुलिस ने बताया कि घटना उस समय हुई जब कृष्ण नाम का जवान घर लौट रहा था। पुलिस को शक है कि कांवड़ यात्रा के दौरान सीआरपीएफ जवान से झगड़ा करने वाले युवकों की इसमें संलिप्तता है।

सीआरपीएफ जवान की गोली मारकर हत्या : पुलिस ने बताया कि यह घटना तब हुई जब छत्तीसगढ़ में तैनात कुमार खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला मेडिकल कॉलेज से घर लौटे थे, जहाँ उनकी पत्नी ने 25 जुलाई को एक लड़के को जन्म दिया था। पुलिस ने बताया कि मृतक कृष्ण कुमार,गोहाना के खेड़ी दमकन गाँव निवासी के रूप में हुई है। कुमार छत्तीसगढ़ में तैनात थे, लगभग एक महीने पहले छुट्टी पर घर आए थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं, जिनमें से एक का जन्म तीन दिन पहले हुआ था। उनकी पत्नी अभी भी अस्पताल में हैं।

सीआरपीएफ जवान को किसने मारा : गोहाना के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्रीकांत ने कहा, कृष्ण 22 जुलाई को कांवड़ यात्रा के लिए हरिद्वार गए थे। उस यात्रा के दौरान, उनकी अपने गाँव के कुछ लोगों से तीखी बहस और मारपीट हुई थी। रविवार देर रात गाँव के कुछ लोगों ने सोमवार रात लगभग 1 बजे कृष्ण को घर से बाहर बुलाया। जैसे ही वह घर से बाहर निकले, उन्हें गोली मार दी गई। श्रीकांत ने आगे कहा, गोलियों की आवाज सुनकर, कृष्ण के परिवार के सदस्य उनकी ओर दौड़े, जहाँ वह खून से लथपथ ज़मीन पर पड़े थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

गांव के तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज : जाँच अधिकारियों ने बताया कि कुमार के परिवार ने उसी गाँव के तीन लोगों - अजय, आनंद और निशांत - के नाम दर्ज कराए हैं, जिन पर उन्हें अपने बेटे की हत्या का शक है। जाँच कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने कहा, एफआईआर दर्ज कर ली गई है और अभी तक फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए कई टीमें गठित की गई हैं।

तीन दिन पहले ही पिता बना था सीआरपीएफ जवान

पुलिस ने बताया कि उन्होंने चार टीमें गठित की हैं और हमलावरों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए मामले की जाँच कर रही हैं। कुमार के परिवार वालों ने पुलिस को बताया कि बच्चे को जन्म देने के बाद उनकी पत्नी अस्पताल में थीं और उन्होंने पूरा रविवार उनके साथ बिताया। वह देर रात आराम करने के लिए घर लौटे थे। उन्होंने बताया कि कुमार लगभग 11 साल पहले भर्ती हुए थे और उनकी शादी लगभग सात साल पहले हुई थी। उनका बड़ा बेटा छह साल का है, जबकि छोटे बेटे का जन्म तीन दिन पहले हुआ था। वह एक महीने की छुट्टी लेकर 16 जुलाई को घर पहुँचे थे।

असम और बंगाल की बदलती आबादी टाइम बम की तरह, अंदर से ही टूटते हैं देशः गवर्नर

गांधीनगर, एजेंसी। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने असम और पश्चिम बंगाल समेत देश के कुछ हिस्सों की जनसंख्या में तेजी से बदलाव को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि असम, पश्चिम समेत कुछ हिस्सों में आबादी का बदलाव टाइम बम की तरह है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान तलाशना होगा। वहीं महाराष्ट्र, तमिलनाडु जैसे राज्यों में भाषा को लेकर छिड़े विवाद के बीच गवर्नर ने कहा कि भारत की यह संस्कृति नहीं है कि भाषा के नाम पर लड़ाई हो। उन्होंने कहा कि किसी को भी किसी पर भाषा को थोपना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि इस देश ने हमेशा बाहरी हमलों को झेला है, लेकिन जब हम अंदर की बात करते हैं तो देखना चाहिए कि इतिहास में क्या हुआ। गवर्नर रवि ने कहा, 1947 में देश का विभाजन हुआ था। यह चीज आंतरिक अशांति के कारण हुआ था। एक विचारधारा को मानने वाले लोगों ने कह दिया कि हम दूसरे लोगों के साथ नहीं रह सकते। इस तरह विचारधारा के विवाद ने देश बंटवा दिया। गुजरात के गांधीनगर में राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के छात्रों और फैकल्टी मेंबर्स को संबोधित करते हुए आर.एन. रवि ने यह बात कही। उन्होंने कहा,क्या किसी को पिछले 30-40 सालों में असम, पश्चिम बंगाल और पूर्वांचल (उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्से) में जनसंख्या में हुए बदलावों की चिंता है? क्या आज कोई यह अंदाजा लगा सकता है कि आने वाले 50 सालों में इन इलाकों में देश के बंटवारे का काम नहीं होगा?' पूर्व आईपीएस अधिकारी ने कहा, 'हमें कुछ इलाकों में बढ़ती संवेदनशील जनसांख्यिकी और उसके भविष्य पर एक अध्ययन करना चाहिए। यह समस्या एक टाइम बम की तरह है। हमें यह सोचना होगा कि भविष्य में हम इस समस्या से कैसे निपटेंगे। आज से ही इसका समाधान ढूंढना शुरू कर देना चाहिए।' उनके अनुसार किसी देश की सैन्य शक्ति आंतरिक अशांति से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं होती। रवि ने तर्क दिया।

पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों पर अमरनाथ यात्रा स्थगित, भारी बारिश बनी वजह

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण अमरनाथ यात्रा को दोनों प्रमुख मार्गों- पहलगाम और बालटाल पर अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रशासन के अनुसार, लगातार बारिश से मार्गों पर खतरा बढ़ गया है, जिसके चलते यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक बारिश की चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति की समीक्षा के बाद ही यात्रा दोबारा शुरू की जाएगी। यात्रियों से अपील की गई है कि वे मौसम संबंधी अपडेट्स के लिए प्रशासन के संपर्क में रहें और यात्रा शुरू करने से पहले आधिकारिक सूचना की प्रतीक्षा करें। यह निर्णय श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। अमरनाथ यात्रा हर साल लाखों भक्तों को पवित्र अमरनाथ गुफा तक ले जाती है, जहां बाबा बर्फानी के दर्शन होते हैं। घाटी से तीन जुलाई को शुरू हुई 38 दिवसीय तीर्थयात्रा के दौरान अब तक 3.86 लाख से अधिक तीर्थयात्री भगवान शिव के बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं। पिछले वर्ष 5.10 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर में पूजा-अर्चना की थी जहां प्राकृतिक रूप से निर्मित बर्फ का शिवलिंग स्थित है।

हरियाणा में 2779 लोगों की हैं दो या दो से ज्यादा पत्नियां, नूंह में सबसे ज्यादा

नूंह , एजेंसी। हाल ही में हिमाचल प्रदेश में दो भाइयों की एक ही लड़की से शादी की खबर काफी चर्चित रही थी। यह शादी हाटी समुदाय की एक परंपरा के अनुसार हुई थी। वहीं, हरियाणा में परिवार पहचान पत्र के डाटा में ऐसे ही दिलचस्प मामले सामने आए हैं। हरियाणा में 2779 ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी एकल परिवार में दो या दो से अधिक पत्नियां दर्ज हैं। चौंकिये मत, हरियाणा सरकार की महत्वाकांक्षी परिवार पहचान पत्र योजना में यह खुलासा हुआ है। परिवार पहचान पत्र के डाटा विश्लेषण में पता चला कि इन लोगों ने अपनी फैमिली आईडी में पत्नियों के साथ-साथ उनके बच्चों की भी जानकारी दी है। 2761 व्यक्तियों की दो पत्नियां, 15 लोगों की तीन, जबकि तीन व्यक्तियों की तीन से अधिक पत्नियां दर्ज हैं। यह विवरण लोगों द्वारा स्वयं दर्ज किया गया है, इसलिए इसे सही माना जा रहा है।

यह हैं जिलेवार आंकड़े

जिलेवार आंकड़ों के मुताबिक नूंह में 353 लोगों की एकल परिवार में दो पत्नियां हैं। अंबाला में 87, भिवानी में 69, चरखी दादरी में 30, फरीदाबाद में 267, फतेहाबाद में 104, गुरुग्राम में 157, हिसार में 152, झज्जर में 72, जींद में 146, कैथल में 92, करनाल 171, कुरुक्षेत्र में 96, महेंद्रगढ़ में 81, पलवल में 178, पंचकूला में 44, पानीपत में 129, रेवाड़ी में 80, रोहतक में 78, सिरसा में 130, सोनीपत में 134, यमुनानगर में 111 व्यक्तियों की दो पत्नियां हैं।

इसके अलावा भिवानी में दो, फरीदाबाद में दो, हिसार में एक, झज्जर में एक, जींद में एक, करनाल में दो, कुरुक्षेत्र में एक, नूंह में एक, पलवल में एक, रेवाड़ी में एक, सोनीपत में दो लोगों की तीन पत्नियां दर्शाई गई

हैं।तीन पत्नियों वाले मामलों में फरीदाबाद, भिवानी, करनाल और झज्जर जैसे जिलों के नाम शामिल हैं। परिवार पहचान प्राधिकरण के स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. सतीश खोला ने कहा कि फैमिली आईडी एक धर्मनिरपेक्ष पहचान प्रणाली है। इसमें धर्म का कोई कॉलम नहीं है लेकिन सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए व्यक्ति की जाति का उल्लेख अनिवार्य है और उसका सत्यापन भी होता है। उन्होंने कहा कि पत्नियों और बच्चों की जानकारी के सत्यापन की कोई प्रणाली नहीं है, इसलिए यह जानकारी व्यक्तियों द्वारा दी गई स्व-घोषित जानकारी पर आधारित है। पूरे परिवार की जानकारी देना मजबूरी, वरना सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं हरियाणा सरकार ने राज्य की सभी कल्याणकारी योजनाओं को फैमिली आईडी से जोड़ दिया है।

इसके तहत हर व्यक्ति को अपने परिवार पत्नी, बच्चों की पूरी जानकारी दर्ज करनी होती है। फैमिली आईडी के बिना किसी भी योजना का लाभ नहीं मिल सकता। हालांकि, प्राधिकरण के अनुसार किसी व्यक्ति की पत्नी या बच्चों का औपचारिक सत्यापन नहीं किया जाता, केवल जाति और आय का सत्यापन होता है। बिना फैमिली आईडी के कोई भी व्यक्ति अब किसी सरकारी योजना का लाभ नहीं ले सकता। यही कारण है कि लोग इसमें अपने पूरे परिवार, पत्नी और बच्चों की जानकारी देने को मजबूर हैं।

तेलंगाना में 14 मुस्लिम जातियों को आरक्षण देने की तैयारी में सरकार, 3 लाख परिवार को फायदा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार 14 मुस्लिम जातियों को पिछड़ा वर्ग (बीसी) के तहत आरक्षण की सुविधा देने की तैयारी कर रही है। इन जातियों में करीब 3 लाख परिवार शामिल हैं, जो लंबे समय से सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक पिछड़ेपन का सामना कर रहे हैं। अब तक इन मुस्लिम समूहों को बीसी (ई) श्रेणी के अंतर्गत 4 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था, लेकिन कानूनी विवादों और धार्मिक आधार पर आरक्षण को लेकर उठे सवालों के कारण यह नीति प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पाई। सरकार का मानना है कि इन जातियों को धर्म नहीं, बल्कि पिछड़ेपन के आधार पर लाभ दिया जाना चाहिए। सरकार द्वारा कराए गए सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, रोजगार और राजनीतिक जाति सर्वे की रिपोर्ट फरवरी 2025 में सार्वजनिक हुई थी। इसमें सामने आया कि राज्य की कुल 12.58 प्रतिशत मुस्लिम आबादी में से 10.08 प्रतिशत पिछड़े मुसलमान हैं और सिर्फ 2.5 प्रतिशत मुसलमान अन्य वर्ग

में आते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि हैदराबाद के पुराने शहर में कई मुस्लिम महिलाओं ने गणनाकर्ताओं से बातचीत नहीं की, जिससे मुस्लिम आबादी में 1-2 प्रतिशत की संभावित कमी आंकी गई है। आरक्षण बढ़ाकर 42 प्रतिशत किया गया एसईईपीसी सर्वे के आधार पर तेलंगाना विधानसभा ने मार्च में एक विधेयक पारित कर पिछड़ा वर्ग आरक्षण को 27प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया। यह वृद्धि शिक्षा, सरकारी नौकरियों और स्थानीय निकाय चुनावों में लागू होगी। यह विधेयक अब राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजा गया है। शिया परिवारों को नहीं मिल रहे लाभ राज्य सरकार के सलाहकार और वरिष्ठ नेता मो. अली शब्बीर के अनुसार, करीब 3 लाख शिया परिवार न सिर्फ आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े हैं, बल्कि उन्हें किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल रहा। उन्होंने बताया कि सर्वे के अनुसार, मुस्लिम समुदाय के 10.08 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं और सहायता के पात्र हैं। उन्होंने बताया, सैयद, मुगल, पठान, अरब, कोज्जा मेमन, आगा खानी और बोहरा जैसे मुस्लिम समूह पेशे पर आधारित जातियां हैं, जैसे अन्य पिछड़ी वर्ग की जातियां होती हैं। यह धर्म आधारित आरक्षण नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन पर आधारित प्रस्ताव है। भाजपा की आपत्ति पर सरकार का जवाब भाजपा द्वारा इस प्रस्ताव पर धर्म आधारित आरक्षण का आरोप लगाए जाने पर मो. अली शब्बीर ने कहा, जब भी मुस्लिम आरक्षण की बात हुई, सरकारों से पूछा गया डेटा कहां है? अब हमारे पास सर्वे के माध्यम से ठोस आंकड़े हैं।

पार्टी लाइन के नाम पर भेदभाव नहीं करते नितिन गडकरी, सम्मानित कर शरद पवार ने की तारीफ

पुणे, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को मंगलवार को चिंतामनराव देशमुख राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान एनसीपी-एसपी के प्रमुख शरद पवार ने दिया और उनकी जमकर तारीफ की। दोनों ही नेताओं की अलग-अलग विचारधारा है और दशकों से एक-दूसरे के मुकाबले राजनीति करते रहे हैं। इसके बाद भी मंच पर दोनों की जुगलबंदी देखते ही बनी। शरद पवार ने नितिन गडकरी की तारीफ की तो वहीं केंद्रीय मंत्री ने भी उनका आभार जताया है। महाराष्ट्र की राजनीति में शरद पवार का बड़ा कद रहा है। वह अकसर सरकार से लेकर विपक्ष तक का रुख तय करते रहे हैं और हमेशा केंद्रीय भूमिका में रहे हैं।

उन्होंने पुणे स्थित गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'सरहद' द्वारा स्थापित यह पुरस्कार गडकरी को प्रदान किया और देश भर में राजमार्गों का नेटवर्क विकसित करने के लिए केंद्रीय मंत्री की प्रशंसा की। पवार ने गडकरी की बेबाकी और कठिन परियोजनाओं को लागू करने की उनकी क्षमता की प्रशंसा की। उन्होंने पार्टी लाइन से परे सांसदों के बीच मंत्री की लोकप्रियता पर भी प्रकाश डाला। पवार ने कहा कि बड़ी संख्या में सांसदों ने देश में परियोजनाओं को क्रियान्वित करने और सड़कों का जाल विकसित करने की गडकरी की क्षमताओं पर गहरा विश्वास व्यक्त किया है।

एनसीपी-एसपी के नेता ने कहा कि सांसदों के बीच गडकरी की लोकप्रियता इस बात से पैदा हुई है कि वह पार्टी लाइन के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं करते हैं। वास्तव में मानते हैं कि अच्छी सड़कें किसी भी देश की समृद्धि के लिए एक शर्त हैं। महाराष्ट्र के रहने वाले देशमुख 1943 में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर नियुक्त होने वाले पहले भारतीय थे और उन्होंने 1950 से 1956 तक वित्त मंत्री के रूप में भी कार्य किया। बता दें कि नितिन गडकरी की इस बात के लिए विपक्षी दल तारीफ करते रहे हैं कि वह किसी भी परियोजना के लिए इनकार नहीं करते। इसके अलावा विपक्षी सांसद भी यदि कोई काम लेकर जाता है तो प्राथमिकता के आधार पर उसे पूरा कराते हैं।

ऑनलाइन आतंक, पाकिस्तान तक लिंक; गुजरात एटीएस के हत्थे चढ़ी झारखंड की शमा प्रवीण

बेंगलुरु/गांधीनगर, एजेंसी। गुजरात एटीएस ने 30 साल की एक लड़की को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया है, जिस पर आरोप है कि वह आतंकी संगठन अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट' (एक्यूआईएस) से जुड़ी हुई है। शमा प्रवीण नाम की यह लड़की मूल रूप से झारखंड की रहने वाली है। गुजरात सरकार का कहना है कि सोशल मीडिया के सहारे वह आतंकी विचारधारा का प्रचार-प्रसार करने में जुटी हुई थी। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने शमा की गिरफ्तारी को बड़ी सफलता बताते हुए कहा है कि उसका पाकिस्तान कनेक्शन है।

शमा प्रवीण को बेंगलुरु के हेब्बल में मोनारायानापाल्या स्थित किराये के घर से दबोचा गया। वह यहां अपने छोटे भाई के साथ रह रही थी जो बेंगलुरु में नौकरी करता है। एसटीएस सूत्रों का कहना है कि अधिकारी सोशल मीडिया पर ऐसे लोगों को ट्रैक कर रहे थे जो टेरर मॉड्यूल के संपर्क में हैं और चरमपंथी विचारों वाली सामग्री शेयर करते हैं। इसके तहत हाल ही में आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था। अब इनके संपर्क में रहने वाली शमा को भी गिरफ्तार किया है। शमा

अविवाहित है और बेरोजगार है। आरोप है कि वह भड़काऊ भाषणों और जिहादी कॉंटेंट को इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड करके लोगों को समर्थन करने को कहती थी। वह कथित तौर पर आतंकी मॉड्यूल के संपर्क में थी और प्रतिबंधित संगठनों से सहानुभूति रखती थी। वह हाल ही में एटीएस की ओर से गिरफ्तार किए गए लोगों को फॉलो करती थी। गिरफ्तारी के बाद एटीएस ने बेंगलुरु की स्थानीय अदालत में पेश किया और ट्रांजिट वारंट हासिल किया। गुजरात के गृहमंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि एटीएस ने पहले एक्यूआईएस के चार आतंकियों को गिरफ्तार किया है। कल एक और बड़ी सफलता मिली है। एक महिला जो बेंगलुरु से है, वह बहुत कट्टर आतंकी है। ऑनलाइन टेटर मॉड्यूल पर काम करती है। उसके महत्वपूर्ण पाकिस्तानी संपर्क भी अलग-अलग डिवाइस से मिले हैं। यूपी, दिल्ली और गुजरात से पकड़े गए थे 4 आतंकी हाल ही में गुजरात एटीएस ने एक्यूआईएस से जुड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया था। एटीएस ने एक बयान में बताया था कि ये चारों व्यक्ति सोशल मीडिया मंचों पर एक्यूआईएस के जिहादी प्रचार वीडियो सहित कट्टरपंथी और उकसावे वाली सामग्री साझा करने में शामिल थे, जिसका उद्देश्य सशस्त्र विद्रोह के माध्यम से देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को उखाड़ फेंकना और 'शरिया कानून' लागू करना था। गुप्त सूचना के आधार पर एटीएस ने पांच इंस्टाग्राम अकाउंट पर कड़ी नजर रखी और इन्हें चलाने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें से दो गुजरात के रहने वाले हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान पुलिस ने दिल्ली निवासी मोहम्मद फाइक, नोएडा (उत्तर प्रदेश) निवासी जीशान अली, गुजरात के अरवल्ली जिले के निवासी सैफुल्ला कुरैशी और अहमदाबाद निवासी मोहम्मद फरदीन शेख के रूप में की है।

स्पॉन्सर ने भारत-पाकिस्तान डब्ल्यूसीएल सेमीफाइनल से नाम वापस लिया

देश पहले, बिजनेस बाद में

नई दिल्ली एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच सेमीफाइनल मैच 31 जुलाई को खेला जाना है, लेकिन मुकाबले पर सवालिया निशान है। टूर्नामेंट के टॉप स्पॉन्सर ने घोषणा की है कि वह डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच से नहीं जुड़ेगा। डब्ल्यूसीएल के मेन स्पॉन्सर में से एक इजीमायट्रिप ने भारत-पाकिस्तान के बीच डब्ल्यूसीएल में खेले जाने वाले सेमीफाइनल मैच से नाम वापस ले लिया है।

कंपनी ने अपनी इस नीति को दोहराया है कि वह पाकिस्तान से जुड़े

किसी भी मैच में हिस्सा नहीं लेती। ट्रैवल-टेक कंपनी के सह-संस्थापक निशांत पिट्टी ने एक्स पोस्ट पर लिखा, हम टीम इंडिया चैंपियंस की वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में शानदार प्रदर्शन के लिए सराहना करते हैं। आपने देश को गौरवान्वित किया है। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल कोई साधारण मैच नहीं है। आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते। हम भारत के साथ खड़े हैं। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते, जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंध सामान्य करने की कोशिश करता हो। उन्होंने आगे लिखा, भारत के लोगों ने अपनी बात रखी है और हम उनकी बात सुन रहे हैं। इजीमायट्रिप, डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच से नहीं जुड़ेगा।

कुछ चीजें खेल से बड़ी होती हैं। देश पहले, बिजनेस बाद में। इससे पहले, भारतीय खिलाड़ियों और एक प्रमुख टूर्नामेंट स्पॉन्सर के कड़े विरोध के बाद, भारत-पाकिस्तान की टीमों के बीच लीग चरण का मुकाबला आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया था। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए, जिसने दोनों देशों के बीच सैन्य तनाव बढ़ा दिया। इजीमायट्रिप की ओर से जारी बयान में कहा गया, हालांकि इजीमायट्रिप ने डब्ल्यूसीएल के साथ 5 साल का स्पॉन्सरशिप एग्रीमेंट किया है, लेकिन हमारा रुख हमेशा से स्पष्ट रहा है।

हम पाकिस्तान से जुड़े किसी भी डब्ल्यूसीएल मुकाबले में न तो हिस्सा लेंगे और न ही उससे जुड़ा रहेंगे। हम गर्व के साथ इंडिया चैंपियंस टीम का समर्थन जारी रखेंगे, लेकिन किसी भी ऐसे मैच का समर्थन या प्रचार नहीं करेंगे, जिसमें पाकिस्तान शामिल हो। यह स्थिति डब्ल्यूसीएल टीम को शुरू से ही स्पष्ट रूप से बता दी गई थी।

सीएएफए नेशंस कप खेलेगी भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड की तैयारी के तहत भारत की सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन (सीएएफए) नेशंस कप 2025 में हिस्सा लेगी। यह टूर्नामेंट 31 अगस्त से 8 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन ने भारत को इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। दरअसल, यह टूर्नामेंट फीफा के आधिकारिक कैलेंडर से बाहर है और मलेशिया ने लॉजिस्टिक्स संबंधी चुनौतियों और खिलाड़ियों की अनुपलब्धता के चलते इसमें हिस्सा लेने से इनकार कर दिया, जिसके बाद भारत को आमंत्रित किया गया।

भारत को उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान की तरफ से संयुक्त रूप से आयोजित द्विवार्षिक सेंट्रल एशियन टूर्नामेंट में शामिल किया गया। उसे ग्रुप-बी में रखा गया है, जो दुशांबे में खेला जाएगा। भारत 29 अगस्त को मेजबान ताजिकिस्तान, 1 सितंबर को ईरान और 4 सितंबर को अफगानिस्तान से खेलेगा।

प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें प्ले-ऑफ चरण में पहुंचेंगी, जहां 8 सितंबर को दो मैच खेले जाएंगे। तीसरे स्थान का मैच दो ग्रुप उपविजेताओं के बीच दुशांबे में खेला जाएगा, जबकि दो ग्रुप विजेता टीमें ताशकंद में फाइनल खेलेंगी। उज्बेकिस्तान ग्रुप-ए की मेजबानी करेगा, जिसे ताशकंद में किर्गिज गणराज्य, तुर्कमेनिस्तान और ओमान के साथ रखा गया है। सीएएफए के छह सदस्य हैं: अफगानिस्तान, इस्लामी गणराज्य ईरान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान। ओमान और भारत सीएएफए नेशंस कप के दूसरे संस्करण के लिए आमंत्रित दो टीमें हैं। ईरान गत विजेता है, जिसने 2023 के फाइनल में उज्बेकिस्तान को 1-0 से शिकस्त दी थी। भारत को एएफसी एशियन कप क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड के अपने शुरुआती मैच में हांगकांग के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के शेष चार मैच सिंगापुर के खिलाफ (क्रमशः 9 और 14 अक्टूबर), बांग्लादेश के खिलाफ (18 नवंबर) और चीन के खिलाफ (31 मार्च 2026) घरेलू मैदान पर होंगे।

एशिया कप फुटबॉल:

भारत महिला एशियाई कप के ग्रुप सी में, जापान-वियतनाम और चीनी ताइपे अन्य टीमें

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह अभी विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है जो एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ है। वियतनाम की विश्व रैंकिंग 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 है। भारत वर्तमान में विश्व में 70वें स्थान पर है। भारत को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी में जापान, पूर्व चैंपियन चीनी ताइपे और वियतनाम के साथ रखा गया है। एक से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाले 12 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ मंगलवार को सिडनी टाउन हॉल में आयोजित किये गए, जिसमें भारतीय मिडफील्डर संगीता बासफोर तीन ड्रॉ सहायकों में से एक थीं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च, 2026 को पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद भारत सात मार्च को इसी मैदान पर जापान से और फिर 10 मार्च को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में चीनी ताइपे से भिड़ेगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम को ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप में जगह मिलेगी, जबकि क्वार्टर फ़ाइनल में हारने वाली टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी, जहां इस वैश्विक प्रतियोगिता में जगह बनाने के लिए दो और स्थान दांव पर होंगे।

जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह अभी विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है जो एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ है। वियतनाम की विश्व रैंकिंग 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 है। भारत वर्तमान में विश्व में 70वें स्थान पर है और इस तरह से वह ग्रुप में सबसे कम रैंकिंग वाली टीम है। भारत के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की विज्ञप्ति में कहा, मुझे लगता है कि हमारा ग्रुप काफी दिलचस्प है, लेकिन साथ ही काफी पेचीदा भी है। जापान एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है।

भारत बनाम इंग्लैंड:

अगर पांचवां टेस्ट नहीं खेले जसप्रीत बुमराह, तो कुछ ऐसी हो सकती है प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली, एजेंसी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट में नहीं खेलेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए उन्हें इस मैच में नहीं खेलने की सलाह दी है। बुमराह ने इस सीरीज में अब तक तीन मैचों में 14 विकेट लिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पांच मुकाबलों की सीरीज में भारत के 1-2 से पिछड़ने के बावजूद, टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं ने मूल योजना के अनुसार ही आगे बढ़ने का फैसला किया है। सीरीज से पहले ही स्पष्ट कर दिया गया था कि बुमराह पांच में से सिर्फ तीन ही टेस्ट खेलेंगे। बुमराह ने हेडिंग्ले में पहला टेस्ट खेला, लेकिन एजबेस्टन में दूसरा टेस्ट नहीं खेले।

इसके बाद लॉर्ड्स और ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में बुमराह मैदान पर उतरे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को बताया कि उन्हें इस सुझाव पर विचार करना चाहिए, क्योंकि यह उनकी पीठ की सुरक्षा और दीर्घकालिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए है। बुमराह इस सीरीज में धीमी और सपाट पिचों पर गेंदबाजी के लिए मजबूर हुए, जिससे उनका वर्कलोड बढ़ गया। चौथे टेस्ट में उन्होंने 33 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 112 रन देकर दो विकेट लिए। बीसीसीआई की मेडिकल टीम का मानना है कि उन्हें आराम देने से लंबे समय में फायदा होगा। अगर जसप्रीत बुमराह निर्णायक टेस्ट में नहीं उतरते, तो मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी को लीड करते नजर आ सकते हैं। जसप्रीत बुमराह के स्थान पर अर्शदीप सिंह को टेस्ट में डेब्यू का मौका मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अर्शदीप हाथ की चोट से उबर गए हैं। अगर आकाश दीप फिट रहे, तो इस जोड़ी का साथ दे सकते हैं।

ऋषभ पंत चोटिल होने के बाद सीरीज के अंतिम मैच से बाहर हो चुके हैं। उनके स्थान पर भले ही एन जगदीशन को टीम में शामिल किया गया, लेकिन अंतिम एकादश में दाएं हाथ के विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल नजर आ सकते हैं। दूसरी ओर, अंशुल कंबोज और शार्दुल ठाकुर को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा जा सकता है। कुलदीप यादव भी प्रैक्टिस सेशन में जमकर पसीना बहाते नजर आए हैं। तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर के स्थान पर इस स्पिनर को मौका दिया जा सकता है।

पांचवें टेस्ट के लिए भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन को देखा जाए, तो यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल बतौर सलामी बल्लेबाज नजर आएंगे, जबकि साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। विकेटकीपिंग का जिम्मा ध्रुव जुरेल के पास हो सकता है। रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर गेंद और बल्ले से अपनी चमक बिखरने में सक्षम हैं। तेज गेंदबाजी का भार आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज के कंधों पर डाला जा सकता है, जबकि कुलदीप यादव को स्पिन विभाग की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

अभिषेक शर्मा साथी ओपनर को पीछे छोड़ बने नंबर-1 बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार (30 जुलाई) को मेंस क्रिकेट की अपडेटेड रैंकिंग जारी की। टी20 रैंकिंग में अभिषेक शर्मा नंबर-1 बल्लेबाज बन गए। उन्होंने ट्रेविस हेड को पीछे छोड़ा। दोनों इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ओपनिंग करते हैं। अभिषेक शर्मा टी20 रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज बनने वाले भारत के तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव नंबर-1 बल्लेबाज बने थे।

मकाऊ ओपन बेडमिंटन:

आयुष शेट्टी मकाऊ ओपन के क्वार्टर फाइनल में, ध्रुव-तनिषा भी अगले दौर में पहुंचे

मकाऊ, एजेंसी। विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले हुआंग को केवल 31 मिनट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। भारत के युवा खिलाड़ी सातवें वरीय आयुष शेट्टी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बुधवार को यहां चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को सीधे गेम में हराकर मकाऊ ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले हुआंग को केवल 31 मिनट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

मिश्रित युगल में विश्व में 18वें स्थान पर काबिज और यहां पांचवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की जोड़ी भी आगे बढ़ने में सफल रही। इस

भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड के रत्चपोल मक्कासितोर्न और नट्टामोन लाइसुआन को 26 मिनट तक चले मुकाबले में 21-10, 21-15 से हराया।

पुरुष एकल में सतीश कुमार करुणाकरण का सफर समाप्त हो गया। उन्हें प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के जस्टिन होह से 37 मिनट में 19-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

डब्ल्यूसीएल:

बिन्नी-पठान की तूफानी पारी, इंडिया चैंपियंस ने वेस्टइंडीज चैंपियंस को हरा सेमीफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया चैंपियंस ने मंगलवार (29 जुलाई) को वेस्टइंडीज चैंपियंस को वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 के आखिरी लीग मैच में हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। इंडिया चैंपियंस को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 14.1 ओवर में 145 का लक्ष्य हासिल करना था। इंडिया चैंपियंस ने 13.2 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया। स्टुअर्ट बिन्नी ने बेहतरीन अर्धशतक जड़ा। इसके अलावा यूसुफ पठान ने बेहतरीन पारी खेली। स्टुअर्ट बिन्नी ने 21 गेंद पर नाबाद 50 रन बनाए। उन्होंने 3 चौके और 4 छक्के लाए। यूसुफ पठान ने 7 गेंद पर 1 चौके और 2 छक्कों की मदद से 21 रन बनाए। पठान ने विनिंग सिक्स लगाया और अपने बच्चों की तरफ दौड़ पड़े। उन्हें गले लगा लिया। सेमीफाइनल में पाकिस्तान चैंपियंस, साउथ अफ्रीका चैंपियंस और ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस ने जगह बनाई।

इंडिया चैंपियंस की शुरुआत तेज नहीं हुई

वेस्टइंडीज चैंपियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कीरोन पोलार्ड की तूफानी पारी की मदद से 20 ओवर में 9 विकेट पर 144 रन बनाए। जवाब में इंडिया चैंपियंस की शुरुआत बहुत तेज नहीं हुई। रॉबिन उथप्पा और शिखर धवन ने पहले विकेट के लिए 3.2 ओवर में 27 रन जोड़े। उथप्पा 7 गेंद पर 8 रन बनाकर आउट हो गए। शिखर धवन 18 गेंद पर 25 रन बनाकर आउट हुए। इंडिया चैंपियंस का स्कोर 4.4 ओवर में 2 विकेट पर 36 रन हो गया।

बिन्नी और युवराज के बीच 66 रन की साझेदारी

इंडिया चैंपियंस को तीसरा झटका 6.3 ओवर में 50 रन पर लगा। गुरकीरत सिंह मान 7 रन बनाकर आउट हुए। सुरेश रैना 7 रन बनाकर आउट हुए। इंडिया चैंपियंस का स्कोर 7.1 ओवर में 4 विकेट पर 52 रन हो गया। इसके बाद स्टुअर्ट बिन्नी और युवराज सिंह के बीच 66 रन की साझेदारी हुई। युवराज 11 गेंद पर 21 रन बनाकर आउट हुए। तब इंडिया चैंपियंस का स्कोर 11.4 ओवर में 5 विकेट पर 118 रन हो गया। इसके बाद यूसुफ पठान क्रीज पर आए और बेहतरीन बल्लेबाजी की। वेस्टइंडीज चैंपियंस के लिए ड्वेन स्मिथ और ड्वेन ब्रावो ने 2-2 विकेट लिए। शेल्डन कोट्रल ने 1 विकेट लिए।

कैनेडियन ओपन:

गॉफ ने कोलिन्स को हराया, इतो ने पाओलिनी को शिकस्त दी

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। टॉप सीड कोको गॉफ ने कैनेडियन ओपन में डेनिएल कोलिन्स के खिलाफ लगभग तीन घंटे चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। इसी के साथ उन्होंने जून में रोलां गैरो जीतने के बाद पहला मैच अपने नाम किया। गॉफ तीसरे सेट में हार से

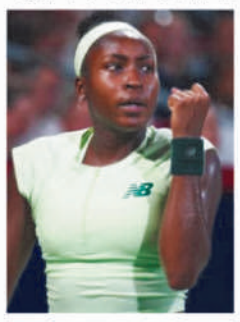

सिर्फ दो अंक दूर थीं, लेकिन उन्होंने पासा पलटते हुए आखिरकार 7-5, 4-6, 7-6(2) से जीत दर्ज की।

कोलिन्स ने आखिरी 80 मिनटों में पिछड़ने के बाद वापसी की, लेकिन वह कभी भी मैच प्वाइंट तक नहीं पहुंच सकीं और अंतिम 11 में से 9 अंक गंवा बैठीं। यह मुकाबला आईजीए स्टेडियम में खेला गया। मुकाबला जीतने के बाद कोको गॉफ ने कहा, मैं अच्छी प्रैक्टिस कर रही थी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इस मैच में उस तैयारी के अनुरूप खेल सकी। उम्मीद है कि मैंने टूर्नामेंट का अपना खराब मैच जीत लिया है। डेनिएल शानदार बॉल स्ट्राइकर हैं। मैंने जितनी बार उनकी सर्विस ब्रेक की, उससे मुझे कुछ सकारात्मक बातें सीखने को मिलेंगी। अब गॉफ का अगला मुकाबला पूर्व टॉप-10 खिलाड़ी वेरोनिका कुडरमेतोवा से होगा।

द. अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा

कैनबरा,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20आई और वनडे श्रृंखला के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रैविस हेड और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। ऑलराउंडर मैट शॉर्ट की भी टीम में वापसी हुई है, जबकि आक्रामक बल्लेबाज मिच ओवेन वेस्टइंडीज के खिलाफ कुछ प्रभावशाली प्रदर्शनों के बाद दोनों टीमों में शामिल होने के बाद अपने वनडे पदार्पण की दौड़ में हैं।

नियमित वनडे कप्तान पैट कमिंस साल के अंत में व्यस्त घरेलू कार्यक्रम के कारण टीम से बाहर रहेंगे, मिशेल मार्श कार्यवाहक वनडे कप्तान बने रहेंगे जबकि उनके साथी तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को भी इस श्रृंखला से आराम दिया गया है। वेस्टइंडीज श्रृंखला के बाद शॉन एबॉट, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, तनवीर संघा, कूपर कोनोली और आरोन हार्डी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिनकी टीम से छुट्टी हो गई है। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने संकेत दिया है कि टीम अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए तैयारी जारी रखेगी।

बेली ने आईसीसी के हवाले से कहा, जैसे-जैसे हम टी20 विश्व कप की ओर बढ़ रहे हैं, वेस्टइंडीज में दिखाई गई लचीलापन और गहराई, स्पष्ट परिणामों के अलावा, एक बहुत बड़ी सकारात्मक बात रही है।

बल्लेबाजी क्रम में लचीलापन और गेंदबाजों की पारी के विभिन्न चरणों में गेंदबाजी करने की क्षमता विशेष रूप से देखने लायक थी। मिच ओवेन और मैट कुहनेमैन ने अपने-अपने पदार्पण किए और नाथन एलिस द्वारा की गई तैयारी और मेहनत उन्हें सभी 5 मैच खेलने का मौका देने के लिए मुख्य आकर्षण थे।

जिले दो सैकड़ा से अधिक बालक वृंदावन के संस्कृत गुरुकुलों में प्राचीन संस्कृति के संरक्षण में निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका

पन्ना। जिले के सैकड़ों बच्चे धार्मिक स्थल जो राधा कृष्ण की भक्ति को समर्पित है वृंदावन में जहाँ पन्ना के बच्चे वेदों, शास्त्रों और अन्य प्राचीन ग्रंथों का अध्ययन कर रहे हैं, जिससे भारतीय संस्कृति और ज्ञान की जड़ों को मजबूत किया जा सके।वृंदावन के संस्कृत विद्यालय आज भी गुरुकुल की परंपरा का पालन करते हैं, जहाँ छात्र अध्ययन के साथ-साथ संध्या, यज्ञ, व्यायाम, प्राणायाम आदि भी सीखते हैं, जो एक समग्र शिक्षा प्रदान करता है।

सांस्कृतिक विरासत का

संस्कृत विद्यालय न केवल भाषा का अध्ययन कराते हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति की गहरी सराहना भी पैदा करते हैं, जिससे युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलता है वृंदावन गुरुकुलों में व्याकरण रुद्री वेद, उपनिषद पुराण संगीत आदि जैसे प्राचीन भारतीय धर्मग्रंथों का अध्ययन कराया जाता है जो भारतीय ज्ञान का विशाल भंडार हैं काशी पीठाधीश्वर स्वामी डॉ रामकमलाचार्य वेदांती जी महाराज के वेदांती गुरुकुल वृंदावन में पन्ना जिले के 60 बच्चे अध्ययन कर रहें हैं जिले के शाहनगर सलेहा देवेन्द्रनगर गुनौर अमानगंज पवई रैपुरा मोहन्द्रा क्षेत्र के सबसे ज्यादा बच्चे हैं स्वामी रामकमलाचार्य वेदांती जी द्वारा संचालित वृंदावन के गुरुकुल के अलावा काशी बनारस गंजबासौदा पंजाब में चल रहे संस्कृत विद्यालय में पन्ना के बच्चे अध्ययन कर रहें। वृंदावन के गुरुकुल स्वामी डॉ रामकमलाचार्य भक्ति वेदांत मंदिर गौरी गोपाल अनुरूद्दा चार्य आश्रम बद्रीक का आश्रम मलूक पीठाधीश्वर राजेंद्र दास महाराज दांडी आश्रम अखंड दया धाम आश्रम तुलसी तपोवन कौशिक जी महाराज जैसे अन्य वृंदावन के प्रसिद्ध विद्वान एवं कथावाचकों गुरुकुल में पन्ना जिले के दो सैकड़ा से अधिक बच्चे प्राचीन संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य से वृंदावन के गुरुकुल में संस्कृत ग्रंथों का अध्ययन कर रहे हैं जो एक पन्ना के लिए गौरव की बात है।

हायर सेकेंडरी स्कूल टिकरिया के प्रभारी प्राचार्य संतोष कुमार पयासी को हटाए जाने की मांग

पन्ना। पन्ना जिले की टिकरिया हायर सेकेंडरी स्कूल में पदस्थ प्रभारी प्राचार्य को मूल पद ब्याख्याता पद पर कल्दा,मैनहा अथवा श्यामगिरी हायर सेकंडरी में तत्काल पदस्थापना आदेश प्रदाय करने प्रभारी मंत्री जिला पन्ना को एक सूत्रीय ज्ञापन डॉ एम पी पांडेय सौंप है डॉ एम पी पांडेय ने जानकारी देते हुए बताया कि म प्र शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के विपरीत पदस्थ किये गए प्रभारी प्राचार्य संतोष कुमार पयासी की शैक्षणिक गतिविधियों में रुचि नही देखी जा रही है,बीते दिवस भ्रमण पर निकले हमारे मैदानी संवाददाता से हुए साक्षात्कार में डॉ एम पी पांडेय बी ए एम एस ने बताया कि संतोष कुमार पयासी का कार्य व्यवहार एवं उनकी गतिविधियां संदिग्ध देखी जा रही तथा शैक्षणिक कार्य।

जब करेंगे नशे से सुरक्षा तब होगी वनो की रक्षा : ब्रह्माकुमारी

पन्ना। नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत ब्रह्माकुमारी विद्यालय पन्ना द्वारा दक्षिण वन मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया

ब्रह्माकुमारी बहन जी ने सभी को चित्रों के माध्यम से नशे से होने वाले नुकसानों से अवगत कराया आपने कहा कि अगर व्यक्ति नशा करता है तो सिर्फ आर्थिक ही नहीं बल्कि शारीरिक, पारिवारिक एवं सामाजिक क्षति होती है इसलिए यदि हमें अपने परिवार का समाज का उत्थान करना है तो नशे से हमेशा दूर रहना होगा।

आपने कहा कि व्यसन एक ऐसा मार्ग है जो धीमे जहर की तरह हमारे शरीर को खोखला करता है सोचिए अपने एक कार सिर्फ 5 से 10 लाख रूपये में खरीदी,जो पेट्रोल से चलती है आप उसकी कितनी साफ सफाई रखते हैं उसमें पेट्रोल की जगह डीजल नहीं डालते क्यों, क्योंकि कहीं इंजन खराब ना हो जाए तो जरा सोचिए शरीर रूपी गाड़ी में आप क्या-क्या डालते हैं शराब,तंबाकू,बीड़ी,सिगरेट,गुटका कुछ भी उस गाड़ी को पेट्रोल पंप पर खड़ा करके उसमें पेट्रोल डालते हैं और इस गाड़ी में, जरा सोचिए और अपने जीवन से प्यार कीजिए जो धन आप व्यसन नशे में खर्च कर रहे हैं वही आप अपने परिवार के लिए अपने बच्चों के लि। सभी को रोज कुछ पल ध्यान करने के लिए प्रेरित किया जब हम सभी ध्यान करते हैं तो हमारी आंतरिक शक्तियां जागृत होती हैं और हम बुरी चीज गलत चीजों को छोड़ने के लिए मजबूर हो जाते हैं, सभी ने नशा छोड़ने की प्रतिज्ञा की पन्ना डीएफओ श्री अनुपम शर्मा जी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि दीदी ने जो हम सबको समझाया उसका हमें अनुकरण करके अपने जीवन का परिवर्तन करना है।

ट्रांसफार्मर खराब होने से 6 माह से अंधेरे में डूबा गांव

अनगिनत आवेदनों के बाद भी जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

पन्ना। जिले के पवई जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत पलोही के ग्राम गुडमनिया का ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण लगभग 6 माह से शाम होते ही ग्राम गुडमनिया और अनुसूचित जाति की बस्ती अंधेरे में डूब जाती है। जिससे बच्चे पढ़ाई भी नहीं कर पा रहे हैं, अंधेरा होते ही विषैले जीव जंतुओं और हिंसक वन्य प्राणियों के डर से लोग अपने घरों में दुबक जाते हैं। ग्राम पंचायत पलोही के सरपंच एवं ग्रामीणों के द्वारा कई बार सिमरिया वाईसी और पवई वाईसी सहित संबंधित अधिकारियों को आवेदन सौंप कर ट्रांसफार्मर बदलने और दो फेस के बजाय तीन फेस बिजली देने की मांग की गई लेकिन जिम्मेदार लगातार नजरअंदाज करते रहे। 28 जुलाई 2025 की रात लगभग 8 बजे गौरा बाई लोधी पति कल्लू लोधी उम्र लगभग 50 वर्ष को विषैले सांप के डसने से गांव के लोगों के सब्र का बांध फूट पड़ा आक्रोशित लोगों ने 29 जुलाई 2025 को जिला मुख्यालय पन्ना पहुंचकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंप कर शीघ्र ट्रांसफार्मर बदलने और दो फेस के बजाय तीन फेस बिजली की व्यवस्था करने की मांग की है।

अस्पताल प्रबंधन का बड़ा कारनामा, दो बर्ष से अस्पताल की सोनोग्राफी सेंटर बंद

ग्लोबल सोनोग्राफी सेंटर में हो रही जांचें लुट रहा आम गरीब कार्यवाही की मांग

पन्ना। मध्य प्रदेश में सबसे ग़रीब जिलों में शुमार पन्ना जिला की स्थिति बहुत ही बदतर है जिले के जनप्रतिनिधि तथा अधिकारियों को आम जनता की तकलीफ से कोई लेना देना नहीं है सिर्फ जनता के वोट लेकर एसो आराम कर रहे हैं तथा अधिकारी भी शासकीय सुविधाओं का भरपूर आनंद ले रहे हैं लूट रही है सिर्फ जनता पन्ना जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर जिला मुख्यालय में जिला अस्पताल है शासन द्वारा भारी भरकम राशि स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने तथा मशीन खरीदने के लिए दी जाती है मशीनें भी जिला अस्पताल में उपलब्ध है लेकिन

उनका संचालन नहीं हो रहा है जिसका सीधा-सीधा लाभ मशीन संचालक उठा रहे हैं जिला अस्पताल में सोनोग्राफी सेंटर दो वर्ष से बंद है जिला अस्पताल के सभी डॉक्टर निजी सोनोग्राफी सेंटर ग्लोबल सोनोग्राफी भेज रहे हैं जिसका संचालन सतना के डॉक्टर पुष्पराज बागरी द्वारा किया जा रहा है तथा सेंटर की जांच करा कर संबंधित पर कड़ी कार्रवाई की जाए । गरीब मरीजों का क्या कहना है। मैं बहुत गरीब हूं अपनी पत्नी को लेकर जिला अस्पताल आया था उधर पैसा लेकर आया था क्योंकि जिला अस्पताल में सभी जांच मुक्त में होती है लेकिन सोनोग्राफी करने के लिए कहा गया जिसमें 1500 जांच के लगे ग्लोबल सोनोग्राफी सेंटर द्वारा जांच की गई महेंद्र प्रजापति निवासी ग्राम जुड़ी।। मामले को लेकर सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक गुप्ता से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी ।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत डाइट में हुआ वृक्षारोपण

पन्ना। पन्ना में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत, मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेंद्र मिश्रा ने एक सराहनीय पहल की है।डाइट पन्ना में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष बृजेंद्र मिश्राभाजपा जिला मंत्री पार्षद श्रीमती कविता चाणक्य रैकवार पार्षद श्रीमती राजकुमारी लोधी जी राकेश चौबे जग्गू कुशवाहा डाइट पन्ना के शिक्षा अधिकारी रविप्रकाश खरे व अधिकारी कर्मचारी गण आदि शामिल थे उन्होंने डाइट पन्ना संघमित्र और छात्राओं के साथ मिलकर उत्साहपूर्वक पौधे लगाए।

यह वृक्षारोपण कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम अभियान का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य लोगों को अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने के लिए प्रेरित करना है। इस पहल के माध्यम से बृजेंद्र मिश्रा ने न केवल पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई, बल्कि छात्र छात्राओं को भी प्रकृति से जुड़ने और उसकी महत्ता समझने के लिए प्रोत्साहित किया। यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और उम्मीद है कि यह अन्य संगठनों और व्यक्तियों को भी ऐसे नेक कार्यों के लिए प्रेरित करेगा।

स्टेडियम ग्राउण्ड में होगा मैहर जिले का स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह

स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह की तैयारियों संबंधी बैठक संपन्न

सतना। जिला मैहर में 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस का जिला स्तरीय मुख्य समारोह गरिमा और उत्साहपूर्वक उस्ताद अलाउद्दीन खां स्टेडियम मैहर में आयोजित किया जायेगा। मुख्य समारोह की तैयारियों के संबंध में बुधवार को संपन्न बैठक में कलेक्टर श्रीमती रानी बाटउ ने अधिकारियों को तैयारियों संबंधी जिम्मेदारी सौपते हुए दिशा-निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम आरती सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद मैहर , नगर पंचायत के सीएमओ और जिला एवं विकासखण्ड प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्रीमती रानी बाटड ने स्वतंत्रता दिवस की

तैयारियों के लिए जिला अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस आयोजन के संबंध में शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह पूर्ण गरिमा, उत्साह और उल्लासपूर्वक मनायें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों के अधिकारियों को आयोजन संबंधी जो भी जिम्मेदारियां दी गई है। उसे समय पर पूरा कर लें। परेड ग्राउण्ड और समारोह स्थल की साज-सज्जा, बैठक व्यवस्था एवं अन्य सुचारू व्यवस्था की जायेगी। परेड में पुलिस बल महिला/पुरूष, एनसीसी सीनियर, जूनियर, बॉयस, गर्ल्स, एनएसएस, स्काउट, गाईड, शौर्या दल की प्लाटून भी शामिल रहेगी। अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि स्टेडियम ग्राउण्ड में आयोजित जिले के मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा ठीक प्रात: 9 बजे ध्वाजारोहण किया जायेगा। इसके बाद परेड की सलामी, मार्च पास्ट, राष्ट्रगान, मुख्यमंत्री के प्रदेश की जनता के नाम संदेश वाचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामूहिक पीटी और कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट कार्य हेतु शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों एवं व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा। समारोह में सामूहिक पीटी में एक हजार स्कूली बच्चे शामिल होंगे तथा 5 विद्यालयों द्वारा सास्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेंगे। समारोह की रिहर्सल 3 अगस्त से 12 अगस्त तक ग्राउण्ड पर होगी। फाइनल फुल ड्रेस रिर्हसल 13 अगस्त को प्रात: 9 बजे से होगी। सभी शासकीय कार्यालयों एवं संस्थाओं में इसके पहले प्रात: 8 बजे तक ध्वाजारोहण कार्यक्रम किया जायेगा।

तुलसी जयंती समारोह 31 जुलाई से

सतना। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग की जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी के अन्तर्गत संचालित तुलसी शोध संस्थान चित्रकूट द्वारा प्रतिवर्ष की भांति तुलसी जयन्ती समारोह 31 जुलाई एवं 1 अगस्त 2025 को आयोजित किया जा रहा है। गतिविधि का शुभारंभ-सत्र तुलसी शोध संस्थान, नयागांव, चित्रकूट के वातानुकूलित सभागार में 31 जुलाई को तुलसी जयंती के दिन सायं 6:30 बजे प्रारंभ होगा। आयोजन का शुभारंभ पूज्य संतों एवं विशिष्ट अतिथियों के करकमलों द्वारा किया जावेगा। कार्यक्रम के प्रथम दिवस 31 जुलाई 2025 को विदुषी उमा कंपूवाले, ग्वालियर के रामकथा साहित्य पर व्याख्यान के पश्चात् वेद नाट्य संस्थान, उज्जैन के कलाकारों द्वारा विशेष रूप से तैयार की गई उर्मिला चरित पर केंद्रित नाट्य प्रस्तुति उर्मिला-यशोगान की प्रस्तुत होगी।

श्रीमती लक्ष्मी देवी यादव का दुखद निधन

पन्ना। शहर के रानीगंज मोहल्ला निवासी बाँदा वाले के नाम से प्रख्यात श्री द्वारिका प्रसाद यादव की धर्म पत्नी श्रीमती लक्ष्मी देवी यादव का गत 23-24 जुलाई की रात्रि 11:30 बजे दुखद निधन हो गया है ।श्रीमती यादव लगभग 78 वर्ष की थी।श्रीमती यादव जनार्दन यादव ,मिथलेश सिंह, शिव कुमार पप्पू यादव बीजेपी नेता की माता जी थी । आर्मी में पदस्थ इंद्रजीत यादव , अमन यादव, विकास यादव, नीरज यादव , सुजल यादव, लकी यादव की दादी जी थी, तथा सुशील , आशीष यादव की नानी जी थी। श्रीमती यादव अपने जीवन काल में चारों धाम तीर्थ यात्रा के साथ भागवत कथा का रसपान कर चुकी थी। इसके साथ ही भगवान भोलेनाथ का एक मंदिर का निर्माण जीवन काल में उनके द्वारा पति के सहयोग से कराया गया है। साथ ही चित्रकूट में कई वर्ष तक बास किया। अंतिम समय में अस्वस्थ होने के कारण पन्ना में ही काफी समय से निवासरत थी। श्रीमती यादव काफी ही मृदुल ,शांत स्वभाव की थी। उनके निधन पर पन्ना शहर के सभी गणमान्य नागरिकों पत्रकार बंधुओ समाजसेवियों, व्यापारी बंधुओ ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए ग्रत आत्मा की शांत के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। श्रीमती यादव का आज रानीगंज मोहल्ला स्थित मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार अपहरान्ह 2ः00 बजे किया जाएगा।

1 अगस्त को आयोजित होगी म.प्र. पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 2025

सतना। म.प्र. पर्यटन विभाग द्वारा म.प्र. पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 2025 का जिला स्तरीय आयोजन लिखित एवं मल्टीमीडिया राउंड 1 अगस्त को एकेएस यूनिवर्सिटी शेरगंज सतना में किया जायेगा। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने बताया कि जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के अध्ययनरत विद्यार्थियों को पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 2025 के लिए सतना जिले के 152 विद्यालयों के 456 छात्र-छात्राओं ने अपना आनलाइन पंजीयन करवाया है। संबंधित संस्थाओं के प्राचार्य 1 अगस्त को प्रात: 8.30 बजे के पूर्व एकेएस यूनिवर्सिटी शेरगंज सतना में विद्यालय की टीम एवं एक मार्गदर्शी शिक्षक को उपस्थित कराना सुनिश्चित करे।

गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरे करे निर्माण कार्य : रानी बाटड

कलेक्टर ने की निर्माण कार्यो की समीक्षा

सतना। कलेक्टर रानी बाटड ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में निर्माण विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर मैहर जिले में चल रहे परियोजना निर्माण कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं करें। निर्माण कार्यो को गुणवत्ता के साथ उसकी तय समय-सीमा में पूर्ण किये जाये। इस मौके पर कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा लाजरूस केरकेट्टा, नर्मदा घाटी विकास, प्रधानमंत्री ग्राम सडक, एमपीआरडीसी के अधिकारी, सीएमओ नगर पालिका सुषमा मिश्रा भी उपस्थित रहे।

कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण ने बताया कि जिले में योजना मद से स्वीकृत 14 कार्यों में 5 कार्यों को पूर्ण कर लिया गया है। सडक मजबूतीकरण के 4 कार्य चल रहे हैं। सभी कार्य वर्ष 2023 के स्वीकृत है। कार्यपालन यंत्री ने बताया कि मैहर जिले में 313 करोड 20 लाख रूपये लागत के और 147 किमी लम्बाई के कुल 23 सडक कार्य चल रहे है। इसके अलावा सीआरआईएफ मद से 178 करोड 22 लाख रूपये लागत से 61 किमी लम्बाई की नागौद, रहिकवारा, सुरदहा, परसमनिया होते हुए मैहर तक सडक का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें 10 किमी सडक का भाग मैहर जिले के अंतर्गत आता है। लोक निर्माण विभाग पीआईयू ने बताया कि मैहर जिले में 194 करोड 92 लाख रूपये लागत के कुल 22 भवनों के निर्माण कार्य चल रहे हैं। इनमें सिविल अस्पताल अमरपाटन और 30 सीटर बालक छात्रावास अमरपाटन का कार्य पूर्ण कर लिया है तथा 8 कार्य प्रगति पर हैं। इनमें 9 कार्य अप्रारंभ और 3 अवरूद्ध श्रेणी में हैं। इन कार्यों में राजस्व विभाग के 14 करोड 67 लाख रूपये लागत के 7 निर्माण कार्य, स्वास्थ्य विभाग के 21 करोड 31 लाख रूपये लागत के 4, लोक शिक्षण विभाग के 137 करोड 63 लाख रूपये लागत के 7, उच्च शिक्षा विभाग के 12 करोड 92 लाख रूपये लागत के 2 कार्य तथा कौशल विकास विभाग के 3 करोड 44 लाख और लोक निर्माण विभाग के 4 करोड 94 लाख रूपये लागत के 1-1 कार्य शामिल हैं।

मध्यप्रदेश ग्रामीण विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि मैहर जिले में 12 करोड 53 लाख रूपये लागत के 18.5 किमी लम्बाई के दो कार्य बठिया से चोरहटा और रामपुर-अहिरगांव सडक का कार्य प्रगति पर है। नगर पालिका मैहर के कायाकल्प योजनांतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर रानी बाटड ने कहा कि मुख्य सडक से लगने वाली बस्तियों की कनेक्टिंग रोड को सही कराये। विभागीय उपयंत्री इस कार्य की स्वत: निगरानी करे।

सुपर-100 परीक्षा प्रदेश के 57 केन्द्रों पर 3 अगस्त को

सतना। मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा सुपर-100 योजना में इस वर्ष परीक्षा का आयोजन 3 अगस्त को किया जा रहा है। परीक्षा जिला स्तर पर बनाये गये विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर होगी। रविवार को प्रथम पारी में प्रात: 10:30 बजे से दोपहर एक बजे तक कक्षा-11वीं में जेईई की तैयारी के लिये एवं द्वितीय पाली में दोपहर 2:30 से शाम 5 बजे तक कक्षा-11वीं में नीट की तैयारी के लिये प्रवेश परीक्षा का आयोजन होगा। परीक्षा के लिये जिला स्तर पर 57 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों की संख्या 10 हजार 727 है। परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय भोपाल एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मल्हार आश्रम इंदौर में प्रवेश दिया जायेगा। सुपर-100 परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र राज्य मुक्त शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड कर दिये गये हैं।

सीएम हेल्पलाइन में नाट-अटेण्ड और निम्न गुणवत्ता के साथ बंद शिकायतें नहीं रहे : कलेक्टर

सतना। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने बुधवार को कलेक्ट्रेट मैहर में संपन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी विभाग के अधिकारी सुनिश्चित करें कि सीएम हेल्पलाइन की कोई भी शिकायत नाट-अटेण्ड नहीं रहनी चाहिए और निम्न गुणवत्ता के साथ बंद शिकायतें भी शून्य करें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग ए श्रेणी में आने का प्रयास करें। इस अवसर पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम डॉ. आरती सिंह, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी सहित जिला विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि जून माह की ग्रेडिंग में सी और डी श्रेणी में रहे विभागों के संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह की 20 तारीख को ग्रेडिंग की जाती है। आमतौर पर सभी विभाग ग्रेडिंग के आस-पास दो-तीन ही शिकायतों का निराकरण का प्रयास करते है। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन को रूटीन वर्क बनाकर प्रतिदिन निराकरण करें। उन्होंने कहा कि संतुष्टि का प्रतिशत 45 से नीचे नहीं होना चाहिए और सीएम हेल्पलाइन में फोकस कर संतुष्टि के साथ शिकायतों को बंद करें। इसके साथ ही 50 दिवस से अधिक की शिकायतों को भी फोकस में रखकर सभी विभाग निराकृत करें। बैठक में आकांक्षा पोर्टल पर दर्ज टीएल और सीएम मानिट के प्रकरणों की समीक्षा तथा धरती आबा अभियान के कार्यों की भी समीक्षा की गई। जनपद पंचायत रामनगर और अमरपाटन के सीईओ एमएल प्रजापति को बिना किसी सूचना के बुधवार के दिन ही अनपुस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

वृक्षारोपण की समीक्षा में बताया गया कि वन विभाग ने निर्धारित लक्ष्य 2 लाख 75 हजार के अनुरूप पौधों का रोपण कर लिया है। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभागों को दिये गये लक्ष्यानुसार पौधरोपण का कार्य शीघ्र पूरा करने अगली टीएल में इसकी समीक्षा की जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायतों को 100-100 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। इस हफ्ते सभी पंचायतें लक्ष्यों को पूरा कर लें। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी और डीपीसी को कहा कि जर्जर और क्षति ग्रस्त भवनों में किसी भी स्थिति में कक्षायें नहीं लगाई जाये।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, गुरूवार 31 जुलाई 2025 | 8

अग्रवाल समाज की महिलाओं ने गत दिवस स्थानीय फ़्लेवर रेस्टोरेंट परिसर में शुभ सावन मास में हरियाली उत्सव मनाया। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

समाधान आनलाइन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों के आवेदकों की सुनी समस्याएं

मुख्यमंत्री ने संबंधित जिलों के कलेक्टर एवं विभाग प्रमुखों से ली जानकारी

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में भोपाल से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के 12 जिलों के आवेदकों से उनकी समस्याएं सुनी और निराकरण के संबंध में संबंधित कलेक्टर्स एवं विभाग प्रमुख से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को समय पर मिले। छात्रवृत्ति का भुगतान छात्रों को उसी वर्ष हो जाना चाहिए जिस वर्ष वह जिस परीक्षा में शामिल हो रहा है। उन्होंने प्रदेश में कानून व्यवस्था को पुख्ता रखने के निर्देश दिए तथा कहा कि त्यौहार के समय धार्मिक स्थलों में सभी समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। राहत राशि का संवेदनशीलता के साथ संबंधितों को वितरण

सुनिश्चित कराने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये।

समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में रीवा जिले के तिवनी ग्राम के वार्ड क्रमांक 20 निवासी मनीष तिवारी द्वारा नलजल योजना अंतर्गत पानी की सप्लाई न आने की शिकायत की सुनवाई मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जानकारी दी कि कंदैला समूह जल योजना में सम्मिलित ग्राम तिवनी उच्च स्तरीय टंकी से जुड़ा हुआ है। शिकायतकर्ता के घर की ओर टंकी से जाने वाली पाइपलाइन एमपीयूडीसी द्वारा पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त कर दी गई थी। क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को सुधार कर जल आपूर्ति बहाल कर दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने निर्देश दिए कि विभागीय समन्वय बनाकर कार्य करें तथा क्षतिग्रस्त पाइपलाइन या सड़क आदि को समन्वय बनाकर दुरूस्त कराएं ताकि आमजन को परेशानी न हो।

समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में कमिश्नर कार्यालय में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, डीआईजी राजेश सिंह अपर आयुक्तम नीतू माथुर तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जबकि कलेक्ट्रेट के एनआईसी में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, शिकायतकर्ता तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जर्जर भवनों में कक्षाएं संचालित न करें, इनमें तत्काल सुधार करायें: कलेक्टार

मऊगंज। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने जर्जर विद्यालय भवनों में कक्षाएं संचालित न करने के आदेश जारी किये हैं। जारी आदेश में कलेक्टनर ने कहा है कि निरीक्षण के दौरान कई विद्यालयों के भवन जीर्ण शीर्ण एवं क्षतिग्रस्तट अवस्थाा में पाये गये हैं। इनमें कक्षाओं का संचालन करना आपत्तिजनक है। कलेक्ट र ने जिला शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा केन्द्रच के परियोजना समन्वेयक कोसभी विद्यालय भवनों का संयुक्त निरीक्षण करने और भौतिक सत्याचपन कर उन्हों चिन्हित करने के निर्देश दिये हैं। उन्हों ने कहा है कि बारिश एवं अतिवृष्टि को देखते हुए ऐसे भवनों में अध्य्यन और अध्यादपन कार्य संचालित न करें। कलेक्टिर ने संबंधित निर्माण एजेंसी के माध्?यम से जीर्ण शीर्ण एवं क्षतिग्रस्तन विद्यालय भवनों की मरम्मृत एवं जीर्णोद्धार कराया जाना सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये हैं।

व्यवस्थित ढंग से उपलब्धतानुसार खाद का वितरण सुनिश्चित करायें : कमिश्नर

रीवा

कमिश्नर रीवा संभाग श्री बीएस जामोद ने संभाग में खाद की उपलब्धनता तथा वितरण की विस्तृ त समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि व्यगवस्थित ढंग से उपलब्धंता के अनुसार किसानों को खाद का वितरण करें ताकि कहीं भी अप्रिय स्थिति निर्मित न हो। कमिश्नर कार्यालय में आमंत्रित बैठक में कमिश्नहर ने कहा कि संभाग में समय से पूर्व वर्षा होने से किसानों ने बोनी कर दी है और उन्हें खाद की आवश्याकता भी है। संभाग के डबललाक में उपलब्धो खाद को किसानों के मध्यख वितरित किये जाने के लिये व्यकवस्था बनाकर वितरण करायें। साथ ही यह सुनिश्चित करें कि जरूतमंद सभी किसानों को खाद मिल सके। कमिश्नकर ने बैठक में ही भोपाल से खाद की उपलब्धीता के लिये

फोन से मांग की तथा रीवा व सतना जिले के लिए दो-दो रैक भेजने की अनुरोध किया। कमिश्नलर ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि खाद की मांग अधिक है और उस अनुपात में उपलब्धरता कम है अत- वितरण में अनुपातिक व्यकवस्थौ बनायें। उन्होंने समिति के मैनेजर से भी फोन पर खाद की उपलब्धदता व वितरण की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर बताया गया कि संभाग में धान की 77 प्रतिशत व अन्यक फसलों की 78 प्रतिशत बोनी हो चुकी है। लक्ष्य के अधिक बीज का वितरण भी किया जा चुका है। बैठक में संयुक्त7 आयुक्ति सुदेश मालवीय, संयुक्ति आयुक्ती दिव्यात त्रिपाठी सहित कृषि, मार्फेड, सहकारिता एवं जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक उपस्थित रहे।

जल संरक्षण पर आयोजित किया गया जन जागरूकता कार्यक्रम

रीवा। केंद्रीय संचार ब्यूरो सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार एवं नेहरू युवा केन्द्र द्वारा नंदन किट्स पब्लिक स्कूल अनंतपुर में जल संरक्षण विषय पर जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जल संरक्षण विषय पर भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़कर भागीदारी निभाई।भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों आंचल तिवारी, सिद्धि पाण्डेमय और रिचा दुबे को पुरस्कृंत किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य कृष्णमुरारी मिश्रा, शारदा सिंह,संतोष मिश्रा, तरुजेंद्र तिवारी, रामजी मिश्रा,सुभाष मिश्रा,सुधा श्रीवास्तव, कनक मिश्रा, प्रेम सागर द्विवेदी,अर्चना मिश्राएवं नेहरू युवा केंद्र सेराजलाल दाहिया तथा शिक्षकगण और बड़ी संख्याम में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कलेक्टर मऊगंज ने प्रधानाध्यापक को दिया कारण बताओ नोटिस

मऊगंज। मऊगंज कलेक्टर संजय कुमार जैन ने शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय टटिहरा के प्रधानाध्यापक श्यामसुंदर प्रजापति को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व हनुमना द्वारा गत दिनों विद्यालय के निरीक्षण के दौरान प्रधानाध्यापक बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहे। विद्यालय में छात्रों की संख्या न्यून पाई गई। शासकीय कृत्य में लापरवाही, अनुशासनहीनता तथा स्वेच्छाचारिता के आरोप में कलेक्टर ने प्रधानाध्यापक को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिवस में समक्ष में उपस्थित होकर लिखित जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

टीआरएस कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रीवा। उच्च शिक्षा विभाग एवं लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के संयुक्त प्रयास से उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।इसी क्रम मेंटीआरएस कॉलेज रीवा में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं स्क्रीनिंग विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी ने कहा किउमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम की गतिविधियों से छात्रों का स्वास्थ्य बेहतर होगा।वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वमस्ं स होंगे और बेहतर भविष्य का निर्माण करेंगे। जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबन्धक सह जिला समन्वयक आरएसके विष्णु प्रताप सिंह ने उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एवं

वेलनेस कार्यक्रम के उद्देश्य एवं गतिविधियों के बारे जानकारी दीडू स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ के बी गौतम ने बताया किबच्चोंब में मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रखना बहुत जरूरी है।उन्होंने कहा कि मानसिक और भावनात्मक समस्या महसूस होने पर टोल फ्री हेल्पलाइन नम्बर 14416 अथवा 1800 891 4416 पर किसी भी समय कॉल कर नि:शुल्क परामर्श प्राप्त किया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग से विषय विशेषज्ञ डॉ रोबिन गोयल नेविद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंपने बताया कि चिंता, डिप्रेसन, तनाव, आत्महत्या संबंधी आचरण, नींद नही आना, जी घबराना, खुशी की लगातार अनुभूति, कंपकंपी, क्रोध, भय, उदासीआदि लक्षण होने पर तत्काल मनोरोग विशेषज्ञ से सलाह लें। कार्यक्रम में डॉ सुनील अवस्थी नोडल अधिकारी एनसीडी ने असंचारी रोग के लक्षणों को पहचानने एवं सजग जागरूक रहने के लिए तौर तरीके बताए।कार्यक्रम में ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. शबा हुसैनने रक्त दान करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अलका सिंह उमंग काउंसलर ने माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक डॉ. रावेन्द्रे सिंह द्वारा किया गयाद्य कार्यक्रम में प्राध्यारपकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन रिकार्ड रूम का किया निरीक्षण

निर्माण कार्य में विलंब होने पर अप्रसन्नमता व्यक्तम की, शीघ्र कार्य पूर्ण करने के दिये निर्देश

रीवा। कलेक्टिर कार्यालय के ऊपरी मंजिल में अत्या धुनिक रिकार्ड रूम का निर्माण कार्य प्रारंभ है। कलेक्टईर श्रीमती प्रतिभा पाल ने अभिलेखागार के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया तथा कार्य के विलंब होने पर नाराजगी व्यीक्तभ की। उल्लेरखनीय है कि अभिलेखागार का कार्य जून 2025 तक तक पूर्ण होना जाना था। निर्माण एजेंसी हाउसिंग बोर्ड के कार्यपालन यंत्री को कलेक्टकर ने निर्देशित किया कि कार्य पूर्ण करायें। कार्यपालन

यंत्री ने बताया कि अगस्त् माह तक अभिलेखागार का कार्य पूरा करा लिया जायेगा। उल्लेखनीय है कलेक्टर कार्यालय में निर्माणाधीन अत्यारधुनिक अभिलेखागार को काम्पैक्टलर युक्ती बनाया जा रहा है जहॉ लगातार 400 काम्प्ैक्टिर लगेंगे ताकि लोगों को सुविधा जनक ढंग से रिकार्ड की उपलब्धुता हो सकेगी। कलेक्टैर ने प्रभारी अधिकारी आयुक्त कलेक्टटर श्रेयण गोखले को निर्देशित किया कि पुराने रिकार्ड रूम को नवीन रिकार्ड रूम में स्था तां?तरित करने की तैयारी प्रारंभ करायें ताकि निर्माण कार्य पूर्ण होते ही तत्काल सभी रिकार्ड व्यावस्थित ढंग से नवीन अभिलेखागार में स्थानांतरित कराये जा सकें। इस दौरान कार्यापालन यंत्री अनुज प्रताप सिंह सहित निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ननि द्वारा की गई तालाबंदी

रीवा। निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार नगर निगम ने राजस्व वसूली हेतु बड़े बकायादार व्यापारियों पर कड़ा रूख अपनाते हुये तालाबंदी की कार्यवाही निरंतर जारी है। इस क्रम में दिनांक 30 जुलाई को जोन 02 अंतर्गत वार्ड/भवन क्रमांक 09/374 भवन स्वामी श्री राजकुमार गुप्ता पिता श्री रामपाल गुप्ता राशि 71549=00 एवं मकान नंबर 09/375 श्री विमल गुप्ता पिता श्री रामपाल गुप्ता राशि 54342=00 जमा नहीं किए जाने पर नगर निगम राजस्व दल द्वारा तालाबंदी की कार्यवाही की गई।

फसल का बीमा की अंतिम तिथि आज

रीवा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों के लिये बीमा पंजीयन प्रारंभ है। किसान अपनी खरीफ फसल का 31 जुलाई तक बीमा करा सकते हैं। खरीफ मौसम में सभी दलहन, तिलहन फसलों का 2 प्रतिशत प्रीमियम किसान को देना होगा शेष प्रीमियम राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास यूपी बागरी ने बताया कि योजना के प्रावधान अधिसूचित क्षेत्रो में अधिसूचित फसले उगाने वाले बटाईदारो और कास्तकारो सहित किसान अपनी फसलो का बीमा कवरेज प्राप्त करने हेतु पात्र है। योजना सभी कृषको हेतु स्वैच्छिक रखी गई है। अल्पकालिक फसल ऋण प्राप्त करने वाले कृषको की फसलो का बीमा संबंधित बैंक द्वारा किया जावेगा । अऋणी कृषक अपनी अधिसूचित फसलो का प्रधानमंत्री फसल बीमा फसल बीमा योजना के अंतर्गत जिले की समस्त सहकारी समितियों प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्थापित कामन सर्विस सेन्टर (सी.एस.सी.) जिले के समस्त बैंक, काप इन्योरेन्स रैप, फसल बीमा पोर्टल के माध्यम से एवं कृषक स्वयं फसल बीमा पोर्टल बीमा पर जाकर पंजीयन 31 जुलाई तक करवा सकते है। अऋणी कृषक भू-अधिकार पुस्तिका की एवं बी-1 छायाप्रति, पहचान पत्र आधार कार्ड, बैंक पासबुक, बुआई प्रमाण की प्रति (पटवारी/कृषि विस्तार अधिकारी/सरपंच/सचिव द्वारा सत्यापित) या स्वयं सत्यापित मोबाइल नंबर के साथ बीमा पंजीयन करा सकते हैं। इस संबंध में जानकारी के लिये किसान कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क किया जा सकता है। उप संचालक ने कृषकों से अपील की है कि फसल बीमा का लाभ लेने के लिये अधिसूचित क्षेत्र में बोई गई अधिसूचित फसलों का बीमा अवश्य कराये।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की सभी तैयारियाँ सुनिश्चित करें : कलेक्टर

मऊगंज। कलेक्ट्रेट सभागार मऊगंज में आयोजित बैठक में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारे देश का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व है। समारोह के आयोजन के लिए विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय, निष्ठा और जिम्मेदारी से समय पर कार्य पूर्ण करें। स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास और परंपरागत तरीके से मनाया जाएगा। जिला स्तरीय समारोह कलेक्ट्रेट परिसर में होगा।उत्कृ ष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों कोस्वयतंत्रता दिवस समारोह में सम्मृानित करायें। समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था,

सौंदर्यीकरण, साफ-सफाई एवं पेयजल व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, ध्वजारोहण, पुरस्कार वितरण, वीर नारियों के सम्मान, विद्युत व्यवस्था, मंच व्यवस्था, अतिथियों, गणमान्य नागरिकों और आमजनों के लिए बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सभी कार्यालयों, नगर पंचायतों, विकासखण्डों, ग्राम पंचायतों और सभी शिक्षण संस्थानों में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम बहुती में होगा तथा विद्यालयों में विशेष मध्यान्ह भोजन का भी आयोजन किया जाएगा। बैठक में कलेक्टर ने टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों पर स्वयं ध्यान देकर इनका संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराएं। सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लंबित सभी शिकायतों का तत्परता से निराकरण करें। जिले में स्थित बहुती जलप्रपात मध्यप्रदेश का सबसे ऊंचा जलप्रपात है। यहाँ बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इस स्थान में व्यापक रूप से पौधरोपण का अभियान चलाएं और उनकी सुरक्षा के समुचित उपाय करें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी, सभी एसडीएम सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पर्यावरण को समर्पित कर हरियाली उत्सव मनाया

रीवा। अग्रवाल समाज की महिलाओं ने गत दिवस स्थानीय फ़्लेवर रेस्टोरेंट परिसर में शुभ सावन मास में हरियाली उत्सव मनाया। इस अवसर पर कार्यक्रम की होस्ट श्रीमती सीता अग्रवाल जी ने पर्यावरण जागरूकता और स्वच्छ वातावरण निर्मित हो सभी महिलाओं को पौधे दिए और कहा कि प्रत्येक सक्षम व्यक्ति दूसरों को 5 पौधे उपहार स्वरूप दें और उन्हें प्रोत्साहित करें। जिससे वर्षा ऋतु में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगें जो भविष्य में पेड़ बनकर हमारी रक्षा करें।अग्र महिलाओं ने पर्यावरण की रक्षा और उनको बढ़ावा देने के लिए कई प्रकार के मनोरंजनात्मक गेम भी किये।कार्यक्रम में मुख्य रूप से साधना अग्रवाल,मंजू अग्रवाल,शोभा अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, लीना अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, आशा अग्रवाल, बीना अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल, किरण अग्रवाल, रचना अग्रवाल, जयंती अग्रवाल आदि महिलाओं ने सावन में हरियाली उत्सव मनाया।

BBS MEMORIAL HR. SEC. SCHOOL
AZAD NAGAR, REWA (M.P.)
BBS KIDS ZONE
9424777617

Shivani
Rank in State Merit 12th
BIO GROUP
2023-24

Askrit
Rank in State Merit 12th
BIO GROUP
2024-25

ADMISSION OPEN For Nursery to 12th
IIT & NEET SELECTED

NO ADMISSION FEE

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833